सूर्योदय दि. 02-10-2020
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37
अधिकतम तापमान 31.1°
न्यूनतम तापमान 34.1°
Open Search
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

..पृष्ठ-8

वर्ष : 05 अंक : 298 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 02 अक्टूबर-2020 | बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

हाथरस गैंगरेप केस: राहुल-प्रियंका को पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद छोड़ा

हाथरस में कांग्रेसियों पर लाठीचार्ज

हाथरस.एजेंसी

उत्तर प्रदेश में हाथरस कांड पीड़िता के परिजन से मुलाकात करने जा रहे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के काफिले को ग्रेटर नोएडा पुलिस ने रोक लिया, जिसके बाद वे पैदल ही हाथरस के लिए निकल गए। इसके बाद, पुलिस ने यमुना एक्सप्रेस-वे पर दोनों कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। राहुल गांधी ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस ने उनके लाठी मारकर गिरा दिया। जहां राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को रोका गया था, वहां से हाथरस की दूरी 142 किलोमीटर है। उधर, हाथरस जिलाधिकारी पी.के. लक्षकार ने बताया कि जिले में सीआरपीसी की धारा-144 लागू कर दी गई है, जो आगामी 31 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगी। जिले की सभी सीमाएं सील कर दी गई हैं। गौरतलब है कि गत 14 सितंबर को हाथरस जिले के चंदपा थाना क्षेत्र स्थित एक गांव की रहने वाली 19 वर्षीय दलित लड़की से कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया था। लड़की को रीढ़ की हड्डी में चोट और जीभ कटने की वजह से पहले अलीगढ़ के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। उसके बाद उसे दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था, जहां मंगलवार तड़के उसकी मौत हो गई थी।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को वापस दिल्ली ले जाया जा रहा है गौतमबुध नगर पुलिस दिल्ली की सीमा में दिल्ली पुलिस को सौंप कर आएगी दोनों को पर्सनल बैल बॉन्ड पर छोड़ा गया है। गेस्ट हाउस से प्रियंका गांधी और राहुल गांधी बाहर निकले। सारे पुलिस अधिकारी भी साथ में बाहर निकले हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि राहुल और प्रियंका को लेकर पुलिस कहां जा रही है। हालांकि, जानकारी मिल रही है कि राहुल, प्रियंका और पुलिस के बीच बातचीत हुई है, जिसके बाद वे दिल्ली वापस लौटने के लिए तैयार हो गए हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज हुआ

एक पुलिस अफसर ने कहा कि राहुल-प्रियंका से वापस लौटने को कहा जाएगा, नहीं मानेंगे तो कानून के मुताबिक आगे की कार्रवाई की जाएगी। उधर, दोनों नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक्सप्रेस-वे पर हंगामा किया तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इसके बाद भी कांग्रेस कार्यकर्ता धरने पर बैठे रहे।

अहंकारी सरकार की लाठियाँ हमें रोक नहीं सकतीं - प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि उन्हें और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को हाथरस जाने से रोकने के लिए पुलिस ने लाठियां चलाई, लेकिन 'अहंकारी सरकार' की लाठियां उन्हें रोक नहीं सकतीं। उन्होंने ट्वीट किया, ''हाथरस जाने से हमें रोका। राहुल जी के साथ हम सब पैदल निकले तो बारबार हमें रोका गया, बर्बर ढंग से लाठियां चलाई। कई कार्यकर्ता घायल हैं। मगर हमारा इरादा पक्का है। एक अहंकारी सरकार की लाठियां हमें रोक नहीं सकतीं। काश, यही लाठियाँ, यही पुलिस हाथरस की दलित बेटी की रक्षा में खड़ी होती।'' इससे पहले उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''उत्तर प्रदेश में रोजाना बलात्कार की घटनाएं हुई हो रही हैं। महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी योगी आदित्यनाथ सरकार को लेनी पड़ेगी। जो भी अपराधी हैं उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी होगी।'' प्रियंका ने दावा किया कि जब तक सरकार को झकझोरा और जगाया नहीं जाएगा तब तक वह महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कुछ नहीं करने वाली है। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने कहा कि यह घटना (हाथरस सामूहिक बलात्कार) बहुत अन्यायपूर्ण थी और उसके बाद सरकार ने शव के अंतिम संस्कार में जो किया वह तो और भी बड़ा अपमान था।

opensearch

पीड़ित के परिजन से डीएम ने कहा- सरकार की बात मान लो, मीडिया आज है, कल नहीं रहेगा, सब चले जाएंगे

हाथरस जिले में दलित युवती के गैंगरेप मामले में जिले के डीएम प्रवीन लक्षकार का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वे पीड़ित परिवार को धमकाते दिखाई दे रहे हैं। डीएम कह रहे हैं कि अपनी विश्वसनीयता बनाए रखिए। मीडिया आज यहां है, कल नहीं रहेगा। सब चले जाएंगे। आप सरकार की बात मान लो। आप बार-बार बयान बदलकर ठीक नहीं कर रहे हैं। आपकी क्या इच्छा है। क्या पता कल हम ही बदल जाएंगे।

gkFkjl dkaM ds vkjksih lqjkj
fu'kuk lk;r gq, dkaxzsl usrk
jkgqy xka/kh usdgk fd& jkgqy xka/kh
dksys& lp dc rd Nqikvksxs] vkSj
fdruh csfV;k; pqidsls tykvksxs\
vc ns'k dh vkokt jksd uk ikvksxs!

हाथरस, बलरामपुर के बाद भदोही में दलित लड़की से दरिंदगी, सिर कुचलकर हत्या

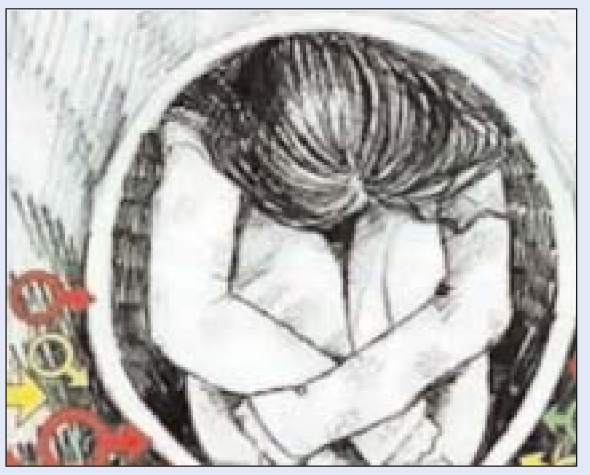

भदोही.एजेंसी। । उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध की एक के बाद एक घटनाएं सामने आ रही हैं। हाथरस मामले को लेकर पूरे देश में उबाल है। वहीं बलरामपुर की घटना भी शर्मसार करने वाली है। इसी बीच भदोही जिले से एक दलित किशोरी के साथ दरिंदगी की खबर सामने आई है। जिले के गोपीगंज इलाके में एक 14 साल की दलित किशोरी की सिर कुचलकर नृशंस हत्या कर दी गई है। मामले में रेप की आशंका जताई जा रही है मिली जानकारी के मुताबिक, भदोही जिले में गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी 14 वर्षीय दलित किशोरी गुरुवार को दोपहर अचेतावस्था में घर से कुछ दूर स्थित बाजरे के खेत में मिली। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बेटी की रेप के बाद हत्या करने की बात कही। उसके सिर को बुरी तरह कुचला गया था, जबकि शरीर से कपड़े गायब थे। उधर, घटना की जानकारी के बाद मौके एसपी रामबदन सिंह व कुछ देर बाद आईजी पियूष बरनवाल पहुंचे। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। किशोरी दिन में करीब एक बजे शौच के लिए खेत की ओर गई थी। करीब घंटे भर बाद उसके वापस न आने पर परिजनों को चिंता हुई। आसपास तलाश करने पर घर से कुछ दूर स्थित बाजरे के खेत में वह लहूलुहान अचेतावस्था में मिली। उसे गोपीगंज नगर स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम को मिलने के बाद मौके पर क्राइम ब्रांच, थाने व यूपी-112 के जवान पहुंचे।

पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह ने बताया कि किशोरी शौच को गई थी। उसकी निर्मम हत्या की गई है। हत्या का कारण दुराचार प्रतीत हो रहा है। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सही कारण पता चल पाएगा। क्राइम ब्रांच व पुलिस की टीम लगा दी गई है। जल्द ही प्रकरण का खुलासा कर दिया जाएगा। उधर, मृत किशोरी की मां ने भी बेटी की रेप के बाद हत्या की बात कही है।

एक नज़र

दक्षिण अफगानिस्तान में आत्मघाती बम विस्फोट, 9 की मौत

काबुल। दक्षिणी अफगानिस्तान में एक सैन्य जांच चौकी को निशाना बनाकर किए गए आत्मघाती कार बम विस्फोट में चार नागरिकों सहित कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई। हेलमंद प्रांत के गवर्नर के प्रवक्ता ओमर ज़वाक ने बृहस्पतिवार को बताया कि यह आत्मघाती हमला नहरी साराह जिले में बुधवार देर रात हुआ जिसमें एक छोटा बच्चा और सुरक्षा बल के तीन जवान घायल भी हुए हैं। उन्होंने बताया कि जिस वक्त हमलावरों ने जांच चौकी को निशाना बनाया उस वक्त कुछ लोग एक वाहन से वहां से गुजर रहे थे। इनमें दो महिलाओं की मौत हो गई। फिलहाल किसी आतंकवादी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। आत्मघाती हमले की यह घटना ऐसे वक्त हुई है जब तालिबान और अफानिस्तान सरकार की ओर से नियुक्त वार्ताकारों के बीच कतर में ऐतिहासिक शांति वार्ता चल रही है। इस वार्ता का मकसद संघर्ष को समाप्त करना और देश में शांति और स्थिरता के लिए रूपरेखा तैयार करना है।

रेलवे से लेकर टोल प्लाज़ा तक किसानों ने लगाया जाम

बठिंडा। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ पंजाब में चल रहे 31 किसान संगठनों के आंदोलन के दौरान आज से अनिश्चितकालीन रेलवे जाम शुरू किया गया और बठिंडा में किसानों ने रेलवे लाईन पर पक्का मोर्चा लगाते हुए रेल यातायात बिलकुल ठप्प कर दिया। बठिंडा में रेलवे के अलावा बड़ी प्राइवेट कंपनियों के मॉल व पेट्रोल पम्प के सामने भी किसानों ने धरना लगाया और जमकर नारेबाजी की। भाकियू एकता उग्राहां की जिला यूनिट ने तीन स्थानों पर निजी कंपनियों के पेट्रोल पंप, एक बड़े माल, दो टोल पलाजा और प्राईवेट थर्मल प्लांट के आगे धरना शुरू किए हैं। इसी प्रकार से भाकियू सिद्धूपुर के नेतृत्व में विभिन्न किसान, मजदूर संगठनों ने मुल्तानिया पुल के नीचे से गुज़रने वाली रेलवे लाइन को जाम करते हुए पक्का मोर्चा लगाया गया। इस दौरान भाकियू मानसा, भाकियू लख्खोवाल, भाकियू डकौंदा, कीर्ति किसान यूनियन, कुल हिन्द किसान सभा, जम्हूरी किसान सभा व अन्य संगठनों के सदस्यों ने अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शन किया।

उच्चतम न्यायालय कार्वाई करे हाथरस कांड में: बसपा

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी(बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने हाथरस दुष्कर्म कांड में उच्चतम न्यायालय से कार्रवाई करने की मांग करते हुए आज कहा कि दुष्कर्म पीडिता के शव को उसके परिजनों को नहीं सौंपना राज्य सरकार और पुलिस की भूमिका में सन्देह पैदा करता है। मायावती ने यहां कहा कि उत्तरप्रदेश पुलिस द्वारा दलित पीड़िता के शव को उसके परिवार को न सौंपकर उनकी मर्जी के बिना और उनकी गैर-मौजूदगी में ही कल आधी रात को अन्तिम संस्कार कर देना लोगों में काफी संदेह तथा आक्रोश पैदा करता है। बसपा पुलिस के ऐसे गलत रवैये की कड़े शब्दों में निन्दा करती है। उन्होंने कहा, अगर माननीय उच्चतम न्यायालय इस संगीन प्रकरण का स्वयं ही संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करे तो बेहतर होगा, वरना इस जघन्य मामले में उत्तरप्रदेश सरकार तथा पुलिस के रवैये से ऐसा कतई नहीं लगता है कि गैंगरेप पीड़िता की मौत के बाद भी उसके परिवार को न्याय तथा दोषियों को कड़ी सजा मिल पाएगी।

एमपी उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने तैयार किया वचन पत्र

कोरोना मृतकों के परिजनों को नौकरी

भोपाल.एजेंसी

एमपी उपचुनाव को लेकरा बीजेपी-कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। विधानसभा चुनाव की तरह एमपी उपचुनाव में भी कांग्रेस ने वचन पत्र जारी किया है। कांग्रेस की मेनिफेस्टो में कई लोकलुभावन वादे किए गए हैं। कांग्रेस ने बड़ा गेम खेलते हुए अपने वचन पत्र में कहा है कि कोरोना से मरने वाले लोगों के परिजनों को हम संविदा पर नौकरी देंगे। 2018 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने किसान कर्जमाफी का वादा किया था। साथ ही बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने का भी ऐलान किया था। लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के बाद एमपी में कांग्रेस की सरकार गिर गई थी। एमपी उपचुनाव के जरिए सत्ता में वापसी की उम्मीद लिए कांग्रेस ने कई बड़े वायदे किए हैं। नए वचन पत्र में कांग्रेस ने वादा किया है कि कोरोना से मरने वालों को परिजनों को शासन में संविदा की नौकरी देंगे। नौकरी मृतक के पारिवारिक सदस्य को मिलेगी। इसके साथ प्रदेश में छत्तीसगढ़ की दर्ज पर गौधन योजना को लागू किया जाएगा। कोरोना सरकार राजकीय आपदा भी घोषित करेगी। इसके साथ ही कांग्रेस ने घरेलू विद्धुत उपभोक्ताओं को 100 यूनिट बिजली 100 रुपये में देने का वादा किया है।

- कांग्रेस ने वचन में कोरोना को राजकीय आपदा घोषित करने का वादा किया
- कोरोना के मरने वालों के परिजनों को सत्ता में आने पर संविदा की नौकरी का वादा

उपराष्ट्रपति, मोदी सहित कई नेताओं ने राष्ट्रपति कोविंद को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली.एजेंसी। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई नेताओं ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को उनके 75वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति कोविंद का जन्म आज ही के दिन 1945 में उत्तर प्रदेश में कानपुर के परौंख गांव में हुआ था। कोविंद ने 25 जुलाई 2017 को राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभाला था। उपराष्ट्रपति के सचिवालय ने नायडू के हवाले से ट्वीट किया, ''राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी को जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। जन सरोकारों को समर्पित आपके यशस्वी सार्वजनिक जीवन और अनुभवी नेतृत्व का लाभ राष्ट्र को प्राप्त हुआ है। राष्ट्र के लिए समर्पित आपके सुदीर्घ भावी जीवन में स्वास्थ्य, सुख और संतोष की कामना करता हूं।'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उन्हें बधाई दी और उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, ''राष्ट्रपति जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं।

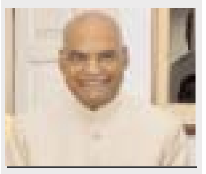

प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, ''राष्ट्रपति जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। नीतिगत मुद्दों पर उनकी गहरी अंतर्दृष्टि और ज्ञानपूर्ण समझ राष्ट्र के लिए पूंजी है। समाज के कमजोर वर्गों की सेवा के लिए वह बहुत ही तत्पर रहते हैं। मैं उनकी लंबी उम्र और उत्तम सेहत की कामना करता हूं।''

दिल्ली, पंजाब, केरल में कोरोना की दूसरी लहर

नई दिल्ली.एजेंसी

देश में आज से अनलॉक-5 की शुरुआत हो गई है। इस बार सिनेमाघरों को भी 50 फीसदी क्षमता के साथ खोलने की इजाजत मिल गई है। हालांकि, केरल और पंजाब में कोरोना के बढ़ते नए केसों ने टेंशन दे दी है। विशेषज्ञ इसे इस जानलेवा वायरस की दूसरी वेव का खतरा बता रहे हैं और अंदेशा जता रहे हैं कि इससे आने वाले त्योहारी सीजन में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यही नहीं, विशेषज्ञ जाड़े के मौसम में इस जानलेवा वायरस से सतर्क रहने की भी दे रहे हैं सलाह। राजधानी दिल्ली, केरल में कोविड-19 के नए केसों की तादाद बढ़ी है। दिल्ली में कोरोना का पहला पीक जून में देखने को मिला था जब हर रोज औसतन नए केस 3,000 के करीब मिल रहे थे। जुलाई के शुरुआत और आखिर में रोजाना केसों की तादाद घटनी शुरू हो गई थी और इस दौरान राजधानी में हर रोज करीब 1,000 के आसपास नए केस मिल रहे थे।

हालांकि, अगस्त के मध्य से दिल्ली में रोजाना कोरोना केसों की संख्या धीरे-धीरे फिर से बढ़ने लगी और 9 सितंबर को राजधानी में 4,039 नए केस सामने आए थे। राज्य सरकार के डेटा के अनुसार, दिल्ली में कोरोना केसों की तादाद बढ़कर 2.5 लाख को पार कर चुकी है। बुधवार को दिल्ली में 3,827 नए केस मिले थे। नीति आयोग के सदस्य वी के पॉल ने कहा, हम दिल्ली, पंजाब और केरल में दूसरी पीक देख रहे हैं। इसी तरह केरल में भी कोरोना के नए मामले धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। सितंबर के पहले सप्ताह में नए मामलों में कमी दर्ज की गई थी। हालांकि 16-22 सितंबर के दौरान यहां भी मामले बढ़ने लगे और 23-29 सितंबर वाले हफ्ते में राज्य में 5,898 नए मामले सामने आए।

अच्छी बात ये है कि अभी तक कोरोना के खौफ से गुजर रहे बड़े राज्यों महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और आंध्रप्रदेश में कोरोना के मामलों में कमी आ रही है। इसके अलावा कुछ अन्य राज्यों में कोरोना के मामलों में कमी देखी जा रही है।

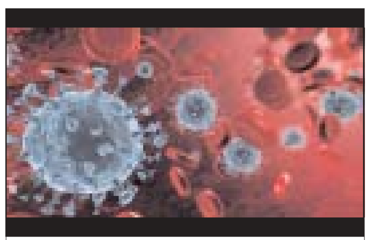

- देश के कुछ राज्यों में कोरोना की दूसरी लहर का खतरा
- विशेषज्ञों ने त्योहारी सीजन में लोगों को सतर्कता बरतने की दी चेतावनी
- राजधानी दिल्ली और केरल में कोरोना की दूसरी लहर का अंदेशा

सीमा पर गोलाबारी: नौगाम और पुंछ सेक्टर में पाकिस्तान ने सीजफायर वॉयलेशन किया

एलओसी पर पाकिस्तान की फायरिंग में तीन जवान शहीद

नई दिल्ली.एजेंसी

एलओसी पर कुपवाड़ा व पुंछ जिले में पाकिस्तानी गोलाबारी में तीन जवान शहीद हो गए। पांच अन्य घायल हैं। सेना ने भी गोलाबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया है। बताया जा रहा है कि भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान हुआ है। उत्तरी कश्मीर के सीमांत जिले कुपवाड़ा के नौगाम सेक्टर में पाकिस्तान ने भारतीय सेना की अग्रिम चौकियों को निशाना बनाते हुए गोलाबारी की। पाकिस्तानी सेना ने मोर्टार दागे और छोटे-बड़े हथियारों से फायरिंग की। दोपहर करीब एक बजे तक गोलाबारी जारी रही। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि गोलाबारी में सेना के दो जवान शहीद हो गए, जबकि 4 अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए श्रीनगर स्थित 92 बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया। शहीद जवानों में 15 सिख लाई का हवलदार कुलदीप सिंह और 8 जैक राइफल्स का राइफल मैन शुभम शर्मा शामिल हैं। हालांकि, सेना ने शहीद जवानों के नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। जबकि घायलों की पहचान आठ जैक राइफल्स के नायब सूबेदार इशर दास, राइफल मैन गौरी सिंह, हवलदार दिनेश और 15 सिख लाई के सिपाही संदीप सिंह के तौर पर हुई है। वहीं, पुंछ जिले के मनकोट और कृष्णा घाटी सेक्टर में बुधवार की रात पाकिस्तान की ओर से की गोलाबारी में लांस नायक करनैल सिंह शहीद हो गए। वे पंजाब के लोहा खेड़ा गांव के रहने वाले थे। एक अन्य घायल जवान वरिंदर सिंह को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आईबी पर भी पाकिस्तान ने की गोलाबारी

भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में संघर्ष विराम का उल्लंघन कर पाकिस्तान ने बीएसएफ की चौकियों पर गोलाबारी की। बुधवार रात साढ़े नौ बजे से लेकर वीरवार तड़के साढ़े तीन बजे तक पाकिस्तानी 25 चिनाब रेंजर्स ने करोल पंगा चौकी से बीएसएफ की करोल मात्रयां और करोल कृष्णा चौकी को निशाना बनाया। सीमा सुरक्षा बल के जवानों में भी इस गोलाबारी का पाकिस्तानी सेना को मुंहतोड़ जवाब दिया। हालांकि इस दौरान किसी भी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। गौर हो कि सीमा पर सुरक्षा बांध बनाने का कार्य दोबारा शुरू किया गया है। इससे प्रभावित करने के लिए पाकिस्तानी सेना रात को लगातार गोलीबारी कर रही है। इसके अलावा गोलाबारी की आड़ में घुसपैठ कराने की भी कोशिश की जा रही है।

देश के किसानों के लिए कृषि सुधार बड़ा परिवर्तनकारी आंदोलन : पीयूष गोयल

नई दिल्ली.ओपन सर्च

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कृषि सुधारों को देश के किसानों के लिए एक बड़ा परिवर्तनकारी आंदोलन कहा है। तेलंगाना चौंबर्स उद्योग एवं वाणिज्य परिसंघ के कार्यक्रम 'नया विश्व - आत्मनिर्भर भारत' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह सुधार भारत के कृषि के इतिहास को बदल देंगे। इससे किसानों की उत्पादकता और आय में बढ़ोत्तरी होगी। इन सुधारों के चलते कृषि क्षेत्र को बड़े पैमाने पर सहभागिता के लिए खोला गया है, जिससे निजी क्षेत्र भी इसमें सहभागी बनेगा और किसानों के लिए सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि हमारे किसानों के पास न्यूनतम समर्थन मूल्य और मंडियों में अपने उत्पाद बेचने का विकल्प खुला रहेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इससे वैश्विक साझेदारी हेतु भारत के दरवाजे और बड़े पैमाने पर खुलेंगे। इससे विश्व के अन्य हिस्सों में इस्तेमाल की जा रही आधुनिक तकनीकी हमारे देश आएगी और हम भारत में बेहतर सेवाएं उपलब्ध करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि घरेलू उद्योग को बढ़ावा देने के लिए हम और बेहतर तकनीकी का इस्तेमाल करेंगे। आत्मनिर्भर भारत और लोकल फॉर वोकल भविष्य में हमारी योजनाओं को मजबूत करेंगे। भारत को एक ऐसी अर्थव्यवस्था बनाना है जहां गुणवत्तापूर्ण उत्पादन हो, इससे हम अपने देश को आत्मनिर्भर बना सकेंगे। गोयल ने देश के उद्योगपतियों और व्यवसायियों से आगे आने और भारतीय अर्थव्यवस्था के रूपांतरण में मदद करने का आह्वान किया ताकि यह दुनिया में ऊर्जावान, युवा और सशक्त वैश्विक अर्थव्यवस्था बन सके और भारत को वह स्थान प्राप्त हो जिसका यह असली हकदार है।

संक्षिप्त समाचार

हत्या मामले में पूर्व सरपंच गिरफ्तार, भेजा गया जेल

कोटवा। थाना क्षेत्र के अहिरौलिया पंचायत के राजपुर मुसहरी टोला में मारपीट के बाद हुई मौत के एक मामले में फरार चल रहे पंचायत के पूर्व सरपंच विजय मांझी को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मृतक के पत्नी प्रमिला देवी ने पूर्व सरपंच पर उसके पति कच्चाई मालिक को मारपीट कर मार डालने का आरोप लगाया था। थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि गिरफ्तार को जेल भेज दिया गया है।

मनीषा बाल्मीकि के साथ हुई हैवानियत बेहद शर्मनाक व निंदनीय : राजद

समस्तीपुर। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना की राजद ने कड़े शब्दों में निंदा की है। राजद के प्रदेश प्रवक्ता व विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि इस घटना ने देश को शर्मसार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि इस कुकृत्य की जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। इस घटना ने हर एक को बड़ी हैरत डाल दिया है द्य मनीषा बाल्मीकि के साथ हुई हैवानियत बेहद शर्मनाक व निंदनीय है द्य मोदी व योगी की सरकार पूर्णतः विफल है द्य भाजपा शासित राज्यों में महिलाये सुरक्षित नहीं है द्य उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि इस घटना को जिन लोगों ने अंजाम दिया है उनके खिलाफ तुरंत सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई हो। इस पर तुरंत फास्ट ट्रेक कोर्ट में केस किया जाए जिससे अपराधियों को तुरंत सजा मिल सके जिससे कानून से लोगों का विश्वास ना उठे और भविष्य में ऐसी घटना से पुनः दोहराया ना जा सके। राजद के प्रांतीय प्रवक्ता ने यह भी कहा कि इस मामले में त्वरित न्याय सुनिश्चित होना चाहिए और शुरुआत में घटना को 'आधिकारिक रूप से% फर्जी खबर बताने के लिए, भाजपा सरकार को माफी मांगनी चाहिए।

ऐतिहासिक कदम उठाया गया किसानों के लिए

देवघर। सारठ प्रखंड मुख्यालय में झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सह सारठ विधायक रणधीर सिंह ने पालोजोरी प्रखंड व सारठ प्रखंड के सभी शाखा प्रबंधक एवं सारठ व पालोजोरी बीडीओ के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की गई ।बैठक में सारठ विधायक रणधीर कुमार सिंह ने निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को कृषि ऋण लेने में कोई परेशानी ना हो और उन्हें बार-बार बैंकों का चक्कर न काटना पड़े। साथ ही जिस बैंक में केवायसी संबंधित समस्या हो उसका समाधान जल्द करें।। बिचौलियों को पनपने ना दें।बैठक में कई प्रखंड पदाधिकारी ,कई पंचायत के मुखिया समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे।।

मंदिर, मस्जिद का राग अलाप रही है बीजेपी : मुकेश यादव

बेतिया। जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार ने आज कोर्ट के फैसले पर भारतीय जनता पार्टी के लोगो को नसीहत देते हुए कहा मंदिर मस्जिद के मुद्दे पर देश की जनता को फिर कितना बेवकूफ बनाएंगे। पता नहीं इस देश की जनता को इस मंदिर मस्जिद के मुद्दे से कब छुटकारा मिलेगा उन्होंने कहा कि भगवान राम का भव्य मंदिर बनने लगा है।अयोध्या में अब यह मुद्दा समाप्त हो गया है, लेकिन देश की जनता का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के फैसलों पर खुशियां और जश्न मनाते हैं। देश के नौजवान बेरोजगारी से कराह रहे हैं। किसान नो के बिल में एमएसपी का जिक्र नहीं कर किसानों को खून के आंसू रुलाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। पूरा देश करोना संक्रमण से जूझ रहा है, उसके उपायों पर चिंतन और मंथन करने के बजाए, उत्तर प्रदेश के हाथरस में घटी शर्मनाक घटना के ऊपर अपने मुख्यमंत्री के ऊपर कार्रवाई करने के बजाए कोर्ट के फैसले पर जश्न मना कर देश की जनता को क्या संदेश देना चाहते हैं भगवान इस पार्टी को सद्बुद्धि दें।।

आज मनायी जाएँगी राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयन्ती।

रवीश कुमार मिश्रा

बेतिया। आज जिलें के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 151 वीं जयन्ती मनायी जाएँगी। जिलें क्षेत्रों के सभी शिक्षण संस्थान, ऑफिस,कार्यालयों में बड़े ही उत्साह और उल्लस के साथ गांधी जयन्ती का आयोजन किया गया है। सभी जगहों पर शोशल डिस्टेनसीग का पालन करते हुए कार्यक्रम का आयोजन होगा। सत्य और अहिंसा के पुजारी महात्मा गाँधी ने अंग्रेजों के गुलामी से भारतीयों को मुक्त कराया। इसके लिए उन्हें बहुत सारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। महात्मा गाँधी ने भारत को स्वतंत्रता दिलाने के लिए चम्पारण की धरती से सत्याग्रह आंदोलन चलाकर लोगों को स्वतंत्रता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने गाँधी के साथ पश्चिम चम्पारण जिले के साठी थाना क्षेत्र के राजकुमार शुक्ला जी ने भरपूर सहयोग कर अपने जिले क्षेत्र का नाम इतिहास में कायम कर दिया।।

कोदरकट्ठा अस्थायी महंत सियाराम दास को कोई भी अधिकार नही मंदिर और मंदिर की भूमि से : बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद

बासोपट्टी (मधुबनी)। म जानकी मंदिर कोदरकट्ठा के महंथ के अवैध कार्य के विरुद्ध समस्त राम जानकी न्यास समिति कोदरकट्ठा के सदस्य के द्वारा बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के पास शिकायत किया गया था जिसको लेकर बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद ने बताया कि सियाराम दास की ओर से उनकी पत्नी के समक्ष एक प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया उसमे उल्लेख है कि सियाराम दास के गुरु रामसेवक दास के जीवन के अंतिम दिनों में उनके इलाज में कर्ज लिया गया था जिसके एवज में कर्जदारों के दबाव के कारण मठ का बहुत छोटा रकबा भूमि का विक्रय किया गया था जिसका न तो महंत के पास कोई दस्तावेज है न ही कोई कर्जदार का नाम |सियाराम दास द्वारा जो भूमि का विक्रय किया गया है जिसकी बाजार कीमत लगभग 50 लाख रुपया होता है।जो किसी भी प्रकार से उचित प्रतीत नही होता है।इसलिए अस्थायी महंत को कोई भी अधिकार नही उस मंदिर और मंदिर की भूमि से संबंधित नही है।जबकि पूर्व के महंतो द्वारा आय व्यय विवरण दाखिल की जाती थी ।

रोसड़ा पुलिस ने बड़ी घटना से पूर्व अपराधी गिरोह के महिला को 3 बंदूक के साथ साथ किया गिरफ्तार

अमरदीप नारायण प्रसाद

रोसरा प्रखंड मुख्यालय के सामने किराए के मकान में रह रहे अपराधी गिरोह की एक महिला को लोडेड पिस्टल एवं गोली के साथ किया गिरफ्तार। जानकारी देते हुए रोसड़ा डीएसपी शहियार अख्तर ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी जिसके तहत कार्रवाई की गई। किराए के मकान में कुछ अपराधियों द्वारा बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बनाई जा रही थी छापेमारी की भनक लगते ही कई अपराधी मौके से हुए फरार वहीं गिरफ्तार महिला के पास से तीन बंदूक वाकई गोली बरामद की गई है। फरार अपराधियों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी। आसपास के क्षेत्रों में तलाश की जा रही। जानकारी के अनुसार उक्त अपराधी रोसड़ा समस्तीपुर एवं बेगूसराय जिले के बताए जा रहे।

स्वर्गीय साव को कई नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की

बेगुसराय। जिला के अन्तर्गत तेघड़ा प्रखण्ड के बरौनी - 3 पंचायत के बरियारपुर निवासी स्व0 रामदेव साव के श्रद्धांजली कार्यक्रम में वैश्य जागरण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 राजकुमार आजाद , उपभोक्ता संरक्षण समिति के प्रदेश अध्यक्ष डा0 संजीव कुमार भारती , कानू विकास मंच के समस्तीपुर जिला अध्यक्ष डा0 रवीन्द्र कुमार साव , कानू समाज के नेता योगीराज गुडकेश , समस्तीपुर जिला के पूर्व अध्यक्ष भरत साव , अधिवक्ता लक्ष्मी साह , डा0 दुक्खा साव , डा0 कमलेश्वरी साव , शिक्षक सुखदेव साव , वैश्य जागरण मंच के जिला अध्यक्ष प्रेम प्रकाश शर्मा , कार्यकारी जिलाध्यक्ष मुकेश पोद्दार , युवा जिलाध्यक्ष अनिल पोद्दार सहित बिहार के बहुत सारे नेताओं ने स्व0 रामदेव साव जी चित्र पर माल्यार्पण किया तथा उनके जीवन पर प्रकाश डाला । पूनम आजाद ने निर्गुण और समदन गाकर दर्शकों को भाव विभोर कर दिया ?। कानू समाज के चौरासी के अध्यक्ष अर्जुन साव ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया ।

जिला स्तरीय कार्यकर्ता कन्वेंशन ने वारिसनगर विधानसभा सीट जीतने के लिए कार्यकर्ताओं से मैदान में उतरने को कहा

खानपुर .ओपन सर्च

वारिसनगर विधानसभा सीट जीतने के उद्देश्य से भाकपा माले क्षेत्र में विधानसभा चुनाव लड़ेगी. खानपुर के सिरोपट्टी खतुआहा स्थित उच्च विद्यालय पर गुरुवार को भाकपा माले के जिला स्तरीय कार्यकर्ता कन्वेंशन को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित करते बतौर राज्य कमिटी सदस्य सह समस्तीपुर जिला सचिव प्रो0 उमेश कुमार ने कहा.

कन्वेंशन की अध्यक्षता 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य क्रमशः सुखलाल यादव, अमित कुमार, बंदना सिंह, प्रेमानंद सिंह, महावीर पोद्दार ने की. संचालन खेग्रामस के जिला सचिव जीबछ पासवान ने की. फूलबाबू सिंह, सत्यनारायण महतो, रामचंद्र पासवान, सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, दिनेश सिंह, उपेंद्र राय, मिथिलेश कुमार, मो0 सरफराज अहमद, मो0 अलाउद्दीन, अवधेश कुमार, जगतारण देवी, शांति देवी, महेश कुमार, राजकुमार चौधरी, रमाशंकर सक्सेना, कल्पू राम, संजीत पासवान, मो0 कलालुद्दीन, फिरोजा

बेगम, फूलेंद्र प्रसाद सिंह, सुनील कुमार,गंगा पासवान, लोकेश राज, जुलेंद्र सहनी, मो0 फरमान, शिवनाथ महतो, डा0 खुर्शीद खैर, रामचंद्र प्रधान, राम कुमार, चंद्रवीर कुमार, कृष्ण कुमार, उमेश कुमार समेत अन्य दर्जनों आइसा, इनौस, ऐपवा, किसान महासभा, खेग्रामस, एक्टू, इंसाफ मंच, माले के कार्यकर्ताओं ने कन्वेंशन को संबोधित किया.

माले राज्य कमिटी सदस्य सह जिला सचिव प्रो0 उमेश कुमार ने कहा कि यह लड़ाई भाजपा- जदयू के संविधान, लोकतंत्र विरोधी रवैया के खिलाफ शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, विकास, मान- सम्मान के साथ ही सामाजिक- राजनीतिक दावेदारी, विकास और प्रगति के लिए भाकपा माले लड़ रही है. इस क्षेत्र में दलित- गरीब, दबे-कुचले, अकिल्यत समेत अन्य सभी वर्गों की लड़ाई माले सदियों से लड़ती आ रही है. उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल के विधायक 10 वर्षों से हैं लेकिन राशन, मनरेगा, आवास, शौचालय, दाखिल- खारिज सड़क, नाला जैसे कल्याणकारी एवं विकास योजना लूट-भ्रष्टचार भ्रष्टचार से ग्रसित है. क्षेत्र में खेत-खती- किसान बचाने की चुनौती बरकरार है. सही खाद, बीज, सिचाई, बिजली और उपज का का अधिक दाम दिलानकर किसान को खुशहाल के रास्ते ले जाना बाकी है. मनरेगा को बिचौलियों के कब्जे से मुक्त कराकर मजदूरों को काम दिलाना है. विधायक को काम से नहीं कमीशन से मतलब रहता है. 10 वर्षों में विधायक न तो विधानसभा में और न ही क्षेत्र में क्षेत्र की समस्याओं के प्रति गंभीर दिखे. ऐसे में भाकपा वारिसनगर, खानपुर, एवं शिवाजीनगर के सामाजिक- राजनीतिक दावेदारी, विकास और प्रगति के लिए विधानसभा चुनाव जीतने की कोशिश करेगी. मौके पर कार्यकर्ताओं को पंचायत स्तर पर लगकर तन- मन-धन से चुनाव को अपने पक्ष में कर लेने की अपील की गई.

विधानसभा चुनाव को लेकर साठी थाना क्षेत्र में चला सघन वाहन जाँच अभियान

साठी.ओपन सर्च

विधान सभा चुनाव को लेकर साठी पुलिस ने सोमवार को गहन वाहन जांच अभियान चलाया। थानाध्यक्ष राजु कुमार मिश्रा ने बताया कि वाहन जांच के दौरान वाहन चालकों के वैध कागजात और मास्क के साथ ही साथ वाहनों की तलाशी भी ली जा रही है। ताकि विधानसभा चुनाव में प्रयोग करने के लिए किसी प्रकार के अवैध, प्रतिबंधित समानों की आपूर्ति नही हो तथा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से हो सके। चेकिंग के दौरान दर्जनों वाहनों को बिना वैध कागजात जब्त किया गया। तथा बीना मास्क पहनें लोगों से राजस्व की वसुली की गई। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक बेतिया के आदेश के आलोक में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर वाहन जाँच अभियान चलाया जा रहा है। तथा बीना मास्क और आधे अधूरे कागज के वाहन चालकों से लगभग तीन हजार रुपये राजस्व की वसुली की गई। थानाध्यक्ष राजु कुमार मिश्रा के द्वारा बताया गया कि जुर्माना की राशि नही देने वाले वाहनों का जब्त किया गया है। तथा जांच के दौरान हेलमेट,मास्क के साथ वाहन से संबंधित सभी

कागजात की जांच की गई । वाहन जाँचअभियान में दरोगा कन्हाई पासवान, मुमताज आलम के साथ जिला पुलिस बल के जवान, होमगार्ड के सिपाही, ग्रामीण पुलिस के बिनोद यादव, ललन यादव,धूप जी, समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे ।

वोटरों को जागरूक करने के लिए निकली रैली

मैनाटाँड .ओपन सर्च

वोट डालने के लिए प्रेरित और जागरूक करने को गुरुवार को प्रखंड कार्यालय परिसर से अधिकारियों व कर्मियों ने स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता रैली निकाली। रैली में युवा होने की जिम्मेदारी, लोकतंत्र में भागीदारी,वोट डालने जाना है अपना फर्ज निभाना है । वोट हमारा है अधिकार कभी न करें इसे बेकार ।

सारे काम छोड़ दो ,सबसे पहले वोट दो। चाहे नर हो या नारी ,मतदान है सब की जिम्मेवारी । लोकतंत्र में हिस्सेदारी, हम सबकी जिम्मेदारी । लोकतंत्र का सम्मान करेंगे, निर्भय होकर मतदान करेंगे । ना जाति पर न धर्म पर, बटन दबाएं का कर्म पर । आओ मिलकर अलख जगाए,सब मिलकर मतदान कराएं जैसे नारों से मैनाटाड़ प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र गूंजता रहा। मतदाता जागरूकता रैली स्थानीय बाऊ के विभिन्न गलियों का भ्रमण कर पुनः प्रखंड कार्यालय पहुंचा ।

रैली के माध्यम से वोटरों को विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की गयी। बीडीओ ने लोगों को अवगत कराया कि चुनाव के दिन वोटरों को कोई परेशानी नहीं हो।सारे मुकम्मल व्यवस्था प्रशासन की ओर से किये जा रहे हैं। मौके पर बीडीओ राजकिशोर प्रसाद शर्मा, सीडीपीओ कुमारी आशा किरण, जीविका प्रबंधक राकेश चंद्र चौधरी,बीएओ अशोक कुमार सहनी, प्रधान सहायक रवि शंकर रजक, कर्मी बसंत राम, सुमित कुमार, जयप्रकाश श्रीवास्तव, सुपरवाइजर चंदा देवी आदि शामिल थे।

समस्तीपुरःमोगलानी चक ग्राम वासियों ने निर्णय लिया है कि उच्च विद्यालय नहीं तो वोट नहीं।

अमरदीप नारायण प्रसाद

मामला वारिस नगर विधानसभा अंतर्गत मोगलानी चक गांव के मध्य विद्यालय मोगलानी चक का है, जिसको शिक्षा विभाग पटना के द्वारा 16 सितंबर2019 को अपग्रेड करके उच्च विद्यालय का दर्जा दिया जिसको लेकर उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोगलानी चक के प्रधानाध्यापक एवं अध्यक्ष की ट्रेनिंग समस्तीपुर के तिरहुत एकेडमी में कराई गई। उसके उपरांत नवम वर्ग के संचालन हेतु एक वर्ग कमरा की निर्माण के लिए 16 लाख 64 हजार राशि की स्वीकृति हुई। उसके उपरांत नवम वर्ग के संचालन हेतु वर्क कक्षा का निर्माण संपन्न हो गया, लेकिन जिला शिक्षा पदाधिकारी समस्तीपुर के द्वारा उद्घाटन से कुछ दिन पूर्व है उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोगलानी चक का नाम हटा करके मध्य विद्यालय रायपुर का नाम सूची में जोड़ दिया गया जोकि न्याय उचित नहीं है इसी को लेकर के सभी ग्रामवासी जिला अधिकारी समस्तीपुर, उप विकास आयुक्त समस्तीपुर, जिला

शिक्षा पदाधिकारी समस्तीपुर, शिक्षा मंत्री बिहार सरकार आदि जगहों पर गुहार लगाए। तत्कालीन उप विकास आयुक्त समस्तीपुर के द्वारा गठित जांच टीम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी समस्तीपुर के द्वारा जांच के उपरांत स्पष्ट पाया गया जिला शिक्षा पदाधिकारी समस्तीपुर के द्वारा, शिक्षा विभाग के द्वारा स्थापित नियमों का अवहेलना करते हुए उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोगलानी चक का नाम हटाकर मध्य विद्यालय रायपुर का नाम जोड़ना न्याय उचित नहीं है इसके के बावजूद भी किसी के द्वारा न्याय नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने निर्णय लिया है कि अगर हमारे विद्यालय को पुनः अपग्रेड्स नहीं किया गया तो हम समस्त ग्रामवासी लगभग 1600 वोटर वोट का बहिष्कार करेंगे। ग्रामीणों ने बैनर पोस्ट लेकर के वोट बहिष्कार के नारा लगाए, एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी समस्तीपुर के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया।

आईडीबीआई बैंक ने स्थापना दिवस मनाया

वीरपुर

वीरपुर प्रखंड के पर्रा पंचायत के सरौजा लक्ष्मीपुर स्थित आईडीबीआई बैंक ने गुरुवार को अपना 57 वीं स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया इस अवसर पर बैंक परिसर सहित काउन्टर को आकर्षक ढंग से सजाया गया । बैंक के शाखा प्रबंधक ज्ञान प्रकाश ने उपस्थित ग्राहकों एवं जनप्रतिनिधियों के बीच बैंक की उपलब्धियों की चर्चा की ।उन्होंने बताया कि इस अवसर पर टॉफी का भी वितरण किया गया ।मौके पर बीडीओ अखिलेश कुमार , प्रखंड प्रमुख फूलन देवी , मुखिया लाल बहादुर शर्मा , बैंक अधिकारी आशीष कुमार राय , आनंद कुमार समेत बैंक कर्मी व जनप्रतिनिधि सहित ग्राहक उपस्थित थे ।

प. दीनदयाल उपाध्याय एवं वर्तमान विश्व का आयोजन किया गया

opensearch

मोतिहारी.ओपन सर्च

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (बिहार) के वाणिज्य विभाग एवं एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी ÷ प0 दीनदयाल उपाध्याय एवं वर्तमान विश्व÷ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ0 महेश चन्द्र शर्मा जी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों, संकल्पनाओं और उनके मूल्य एवं आदर्शों को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अवध विश्वविद्यालय के आचार्य डॉ0 आर0के0 सिंह जी ने दीनदयाल जी के जीवन संकल्पना, राष्ट्रीय चिंतन एवं दर्शन को व्याख्यायित किया। केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय

कुलपति जी ने पंडित जी के कृतित्व और सामाजिक-आर्थिक और वैश्विक जीवन की वर्तमान प्रासंगिकता को बतलाया । कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 त्रिलोचन शर्मा जी के द्वारा किया गया, उन्होंने पंडित जी के रचनात्मक दृष्टि एवं राष्ट्र विचार के बारे में उल्लेख किया । कार्यक्रम के समन्वयक वाणिज्य विभाग के सह-आचार्य डॉ0शिवेंद्र जी ने किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव तथा वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष प्रो0 पावनेश कुमार जी शामिल रहें । कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन वाणिज्य विभाग के सह-आचार्य डॉ0 रवीश चंद्र वर्मा ने किया। इस कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के प्रो0शिरीष मिश्र जी, डॉ0सुब्रत राय, डॉ0 सुमिता सिंकू, श्री अवनीश कुमार उपस्थित रहें ।

पोषण माह के अवसर पर बच्चों के साथ पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

मोतिहारी.ओपन सर्च

राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर सेंटर फॉर कैटेलाईजिंग चेंज द्वारा संचालित चैंपियन परियोजना के अंतर्गत पूर्वी चंपारण जिला के मोतिहारी प्रखंड में नीलम गिरी, वार्ड सदस्य, वार्ड संख्या 5, पश्चिमी ढेकहा पंचायत में संतुलित पोषण, उक्त जीवन विषय के ऊपर पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में 16 युवा एवं किशोर लड़को एवं लड़कियों ने भाग लिया और मातृत्व एवं शिशु पोषण के महत्व के बारे में जानाइस अवसर पर सेंटर फॉर कैटेलाईजिंग चेंज के पटना कार्यालय से आए वरिष्ठ कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रकाश रंजन ने कहा की मां और बच्चे के लिए पोषण एक अतिआवश्यक चीज है एवं छोटी सी लापरवाही दोनों के स्वास्थ्य के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। इस लिए गर्भवती माता, धात्री माता एवं संबंधित परिवारों को जागरुक होने की जरुरत है एवं किसी प्रकार की समस्या आने पर अपने आंगनवाडी जाकर सेविका, पंचायत स्तरीय स्वास्थ्य केंद्र पर ए. एन. एम् या प्रखंड अस्पताल जा कर चिकित्सकों की सलाह ले। प्रतियोगिता में गुलशन कुमार को प्रथम, काजल कुमार को द्वितीय, प्रियांशु कुमार को तृतीय एवम् जूली कुमारी को चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त हुआ।नीलम गिरी, वार्ड सदस्य द्वारा इस अवसर पर पोषण के प्रति लोगों को जागरूक करने एवम् सकारात्मक व्यवहार अपनाने के लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। नीलम गिरी ने अपने संबोधन में कहा कि वे इन सामुदायिक गतिविधियों एवं परिचर्चाओं के माध्यम से गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं, जांच के महत्व, संतुलित पोषण की आवश्यकताओं संबंधी जरूरतों पर समुदाय, परिवार एवं महिलाओं को जागरुक कर गर्भावस्था के समय विशेष ध्यान देने हेतु प्रेरित करने का प्रयास कर रहीं है ताकि गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षित बच्चे के आने का रास्ता प्रशस्त हो पाए।

अपणा धर्म रक्षिणि सभा के प्रतिनिधियों के साथ देवघर एसडीएम ने किया बैठक

सभी राज्यों के नागरिकों के लिए दर्शन पूजन व्यवस्था का किया मांग

देवघर -बाबा मंदिर प्रशासनिक भवन स्थित सभागार में एसडीओ सह मंदिर प्रभारी दिनेश यादव ने पंडा धर्म रक्षिणी महासभा के सदस्यों के साथ बैठक किया।बैठक में सभा की ओर से अध्यक्ष सुरेश भारद्वाज एवं महामंत्री कार्तिक नाथ ठाकुर, मंत्री अरूणानंद झा आदि शामिल हुए।मंदिर व्यवस्था को लेकर विचार विमर्श किया गया जिसमें मंदिर खुलने से लेकर बंद होने तक एवं चिन्हित श्रद्धालुओं को लेकर चर्चा की गई ।चर्चा में एसडीओ दिनेश यादव ने बताया की मंदिर की व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार के द्वारा जो गाइडलाइन दी गई है उसके अनुसार ही दर्शन पूजा की व्यवस्था चलेगी। जब तक राज्य सरकार से कोई अगला आदेश नहीं आ जाता है तब तक स्थिति यथावत रहेगी।

महामंत्री कार्तिक नाथ ठाकुर ने राज्य सरकार से एसडीओ के माध्यम से मांग कीया है की मंदिर से अरघा

सिस्टम हटाया जाए ,ईपास व्यवस्था बंद कीया जाए सीमित श्रद्धालुओं में वृद्धि हो एवं भारत वर्ष के विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को भी दर्शन पूजन की अनुमति मिले ।

मंदिर में पूजा कराने का व्यवस्था क्यू कंपलेक्स के माध्यम से ही किया जाए ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु मंदिर में दर्शन पूजा का लाभ ले सके और शहर की अर्थव्यवस्था सुचारू हो ।क्योंकि पिछले छह महीने से अधिक समय से मंदिर बंद है जिससे लोग आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। वही बैठक के दौरान दर्जनों की संख्या में तीर्थ पुरोहित प्रशासनिक भवन पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर एसडीओ से गुहार लगाई है।

विधुत ऊर्जा चोरी के मामले में प्राथमिकी

मंगल प्योर दूध फैक्ट्री पर 22 लाख विधुत ऊर्जा चोरी का मामला

कोटवा .ओपन सर्च

विधुत ऊर्जा चोरी मामले को लेकर विभाग के जेई सुनील रंजन कुमार ने मंगल प्योर दूध उत्पादन फैक्ट्री में चोरी के बिजली उपयोग करने को लेकर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बाईस लाख रुपए का विधुत चोरी का आरोप लगाते हुए विभाग ने एफआइआर दर्ज कराई है।अपने आवेदन में बताया गया है कि कोटवा पी एस एस से पांच सौ मीटर की दूरी पर मंगल प्योर नामक दूध पैकेजिंग कम्पनी में गुरुवार को छापेमारी की गई।जिसमें पाया गया कि मेन विधुत मीटर से पहले ही कॉपर वायर से लूप बनाकर बाईपास करके बिजली की चोरी की जा रही है।चोरी मामले को लेकर हिमांशु सिंह पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई।उसमे पूर्व बिजली बकाया राशि समेत कुल बाईस लाख तीन सौ अंठानबे रुपए की नुकसान की प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।छापेमारी दल में शेखर कुमार,अमित कुमार,रोहित राज, लालकेश्वर कुमार सहित पुलिस बल सामिल थे।

151वी गांधी जयंती के संध्या अवसर पर क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

मोतिहारी.ओपन सर्च

151 वी गांधी जयंती के पूर्व संध्या के अवसर पर क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन नवयुवक पुस्तकालय मोतिहारी में आयोजित किया गयाद्य जिस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गयाद्य उक्त कार्यक्रम में तीन टीम भाग लिया जो टीम गांधी, टीम शास्त्री, टीम बोस का नाम शामिल हैद्य उक्त कार्यक्रम में टीम शास्त्री ने कार्यक्रम में सफलता प्राप्त कियाद्य उक्त कार्यक्रम में अपर समाहर्ता श्री शशि शेखर चौधरी ने परिभाषियों को गांधी जी के विचारधारा से अवगत कराया और उनके मार्गों पे चलने की सीख दी.वहीं उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से बच्चो में ज्ञान वर्धन होता हैद्य भाषण प्रतियोगिता में अंजू कुमारी ने प्रथम स्थान नितेश ने द्वितीय स्थान और अमित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया... उक्त कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया...उक्त कार्यक्रम स्वीप गतिविधि के तहत आयोजित की गई ।

शकरपुर मेन मार्किट के फुटपाथ हैं अतिक्रमण की चपेट में

नई दिल्ली। शकरपुर मेन मार्किट आरओबी-36 के नजदीक अतिक्रमण का इतना बुरा हाल है कि यहां पर यह पता लगाना मुश्किल है कि फुटपाथ कहां पर है। लक्ष्मी नगर विधानसभा स्थानीय निवासियों जिनमे कन्फ्डरेशन आफ एनसीआर आरडब्ल्यूए ईस्ट दिल्ली के महासचिव अशोक शर्मा, देवेंद्र सिंह नेगी, सीपी जोशी तथा प्रकाश नेगी का कहना है कि उपरोक्त उल्लेखित स्थान पर यह समस्या इसलिए है क्योंकि यहां पर चारों तरफ अवैध रूप से लगने वाली रेहड़ी पटरी, अवैध कार पार्किंग, बाइक पार्किंग तथा दुकानदारों के अतिक्रमण का जमावड़ा रहता है। हालात इतने खराब हैं कि इस जगह से पैदल निकलना भी बहुत मुश्किल है। कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा एमसीडी में शिकायत की गई किन्तु कोई कारवाही होने की बजाय अतिक्रमण बढ़ता ही जा रहा है। स्थानीय निवासी देवेंद्र सिंह नेगी का कहना है कि कई बार अतिक्रमण की वजह से यहां पर झगड़ा भी हो चुका है।

मास्क की आड़ में वाहन चालकों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए: विपिन जैन

नई दिल्ली। भाजपा शाहदरा जिला प्रवक्ता विपिन जैन ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से दिल्ली में बिना मास्क चालान होने पर एक मास्क मुफ्त देने व बिना मास्क चालान की राशि को 100 रू करने की मांग की है। साथ ही श्री जैन ने मुख्यमंत्री से अपील कि दिल्ली प्रशासन को यह आदेश भी दिया जाएं कि जिस व्यक्ति ने मोटरसाइकिल स्कूटर चलाते हुए हेलमेट पहन रखा है और उसका मास्क जरा सा हिल गया है तो उसका चालान ना काटा जाए। श्री जैन ने कहा कि आज जगह जगह दिल्ली प्रशासन के अधिकारी बिना मास्क के चालान काट रहे हैं और सबसे ज्यादा वह दोपहिया वाहन चालकों को तंग कर रहे हैं क्योंकि हेलमेट के कारण उनका मास्क गाड़ी ड्राइव करते हुए अधिकतर हिल जाता है और बिना अपराध के अपराधी घोषित कर दिए जाते हैं और अधिकारी उनसे जबरदस्ती 500 रू का जुर्माना वसूल रहे हैं।

गांधी जयंती पर पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने किया गांधी जयंती मेले का आयोजन

नई दिल्ली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा आज गांधी जयंती मेले-2020 का आयोजन उद्योग सदन, पटपड़गंज स्थित मुख्यालय में किया गया। इस अवसर पर मुख्य पूर्वी दिल्ली के महापौर निर्मल जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्यपाल सिंह, समुदाय सेवा समिति के अध्यक्ष गोविन्द अग्रवाल, शिक्षा समिति के अध्यक्ष रोमेश गुप्ता, पार्षद इंद्रा झा एवं शशि चांदना श्याम सुन्दर अग्रवाल, पूर्व उप-महापौर संजय गोयल भी उपस्थित थे। इनके अलावा अपर आयुक्त प्रशांत कुमार पांडा, निदेशक, समुदाय सेवा विभाग, आर.के सिंह और अन्य निगम अधिकारी भी मौजूद रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर निर्मल जैन ने कहा कि महात्मा गांधी महज एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक जीवन दर्शन है। उन्होंने कहा कि गांधी जी उनके अहिंसक आंदोलन के लिए विश्व भर में जाने जाते है और यह दिवस उनके प्रति वैश्विक स्तर पर सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है।स्थायी समिति अध्यक्ष सत्यपाल सिंह ने कहा कि गांधी जयन्ती को पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय गांधी जी सरल जीवन, उच्च आदर्शों और स्वतंत्रता संग्राम में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण भारतीय के प्रिय बन गये थे। उनके आदर्श और जीवन शैली आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय को अपने जीवन में गांधी को आत्मसात करना चाहिए।

वहीं शिक्षा समिति के अध्यक्ष रोमेश गुप्ता ने कहा कि गांधी जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उनका जीवन एक दर्शन में स्वच्छता, पर्यावरण, शिक्षा आदि सभी विषय शामिल हैं। समुदाय सेवा समिति के अध्यक्ष गोविन्द अग्रवाल ने गांधी जयंती मेले में शामिल हुए लोगों का आभार व्यक्त किया।

सीएसडी कैंटीन की शराब अवैध रूप से बेचने वाले तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली ।नई दिल्ली स्पेशल स्टाफ पुलिस ने सीएसडी कैंटीन की शराब अवैध रूप से बेचने वाले दो गार्ड सहित तीन को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान मूल रूप से ओडिशा के रहने वाले सुशांत बेहरा, सोम नाथ बारिक और दिल्ली के विजय नगर निवासी प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। उनके पास से अलग-अलग ब्रांड की केवल सेना में आपूर्ति की जाने वाली सीएसडी कैंटीन की शराब की 193 बोतलें बरामद हुई हैं। पुलिस उस शख्स की तलाश कर रही है जिससे आरोपित शराब की बोतल लाते थे।नई दिल्ली जिले के डीसीपी डॉ. ईश सिंघल ने बताया कि मिलिट्री इंटेलिजेंस विंग से पुलिस को शिकायत मिली थी कि तिलक मार्ग स्थित सांगली अपार्टमेंट के दो सुरक्षा गार्ड सीएसडी कैंटीन की शराब अवैध तरीके से लोगों को बेच रहे हैं। इसकी जानकारी के बाद स्पेशल स्टाफ इंस्पेक्टर राम निवास की टीम ने मामले की छानबीन शुरू की। आरोपितों को रंगे हाथ दबोचने के लिए नकली ग्राहक बनाकर कांस्टेबल जीवन को मौके पर भेजा गया। जीवन ने आरोपितों से ओल्ड मोंक थ्रीएक्स रम की 24 बोतलें खरीदने का सौदा किया। शराब लेकर आते ही पुलिस की टीम ने सुरक्षा गार्ड सुशांत बेहरा और सोम नाथ को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में गार्ड ने बताया कि वे पास में सब्जी की दुकान लगाने वाले प्रदीप कुमार से लाकर शराब की बोतले बेचते थे। जिसके बाद प्रदीप को भी धर दबोचा गया। उसके पास 169 बोतल शराब बरामद की गई। बोतलों पर सीएसडी कैंटीन सेल ओनली के स्टिकर लगे हुए हैं। प्रदीप मोनू नाम के शख्स द्वारा शराब प्राप्त करता था। एक बोतल शराब मूल्य से 150 रुपये ज्यादा पर बेची जाती थी। आसानी से रुपये कमाने के चक्कर में आरोपित अवैध काम कर रहे थे। पुलिस मोनू की गिरफ्तारी में जुटी है। उससे ही पता चल सकेगा कि वह कहां से शराब की बोतलें लाता था।

दो किलो चांदी और जरूरी कागजात के साथ एक बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजौरी गार्डन थाना पुलिस ने लूट के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित से मिली सूचनाओं के आधार पर दो किलो चांदी और जरूरी कागजात बरामद हुए हैं। पुलिस का दावा है कि इस मामले में तीन अन्य आरोपित नेपाल पुलिस के कब्जे में हैं, जिन्हें दिल्ली लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं इस मामले में एक महिला आरोपित फरार चल रही है। पुलिस का दावा है कि आरोपितों का पीछा करते हुए राजौरी गार्डन थाना पुलिस भारत- नेपाल सीमा तक पहुंच गई, लेकिन आरोपित देखते ही देखते नेपाल के जंगलों में जा छिपे। जिन्हें नेपाल की प्रहरी पुलिस ने गिरफ्तार किया। राजौरी गार्डन थाना पुलिस ने इसी मामले में दिल्ली से विष्णु को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।पुलिस के अनुसार 25 सितंबर को पीसीआर कॉल से सूचना मिली कि राजौरी गार्डन इलाके में एक घरेलू सहायिका ने मालकिन को नशीला पदार्थ देकर बेसुध किया और घर से कीमती सामान लेकर फरार हो गई। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जब छानबीन शुरू की तो पता चला कि घरेलू सहायिका मूल रूप से नेपाल की रहने वाली है। पुलिस ने घरेलू सहायिका के भागने के सभी संभावित रास्ते पर ध्यान लगाया। पता चला कि भावना नामक इस आरोपित महिला को वारदात के दौरान शिव, सुमित, मोहन व विष्णु नामक आरोपित का साथ मिला। ये सभी नेपाल के रहने वाले हैं। इसके बाद पुलिस की टीम भारत नेपाल सीमा पर उत्तराखंड बनवासा पहुंची। इसके बाद पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपित उत्तरप्रदेश में लखीमपुर खीरी स्थित गौरीफेंटा बार्डर के पास हैं। इस इलाके में घने जंगल हैं।

दिल्ली पुलिस का दावा है कि शिव, मोहन सुमित को नेपाल की प्रहरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और आरोपितों को दिल्ली पुलिस के हवाले करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पूछताछ के दौरान पुलिस को विष्णु ने बताया कि वह गुरुग्राम में प्लेसमेंट एजेंसी चलाता है।

प्रदूषण पैदा करने वालों के खिलाफ दिल्ली सरकार चलाएगी महाभियान : गोपाल राय

5 अक्टूबर से लोगों के साथ मिलकर प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में उतरेगी दिल्ली सरकार

–नजफगढ़ के खड़खड़ी नाहर गांव में पराली को खाद में बदलने के लिए पूसा की निगरानी में बनाया गया सेंटर

–6 अक्टूबर से 400 पतीलों में बायो डी कंपोजर घोल तैयार करना शुरू करेंगे

नई दिल्ली.ओपन सर्च

दिल्ली सरकार राजधानी में प्रदूषण पैदा करने वाली सभी गतिविधियों के खिलाफ 5 अक्टूबर से चौतरफा महा अभियान शुरू करने जा रही है। यह बात दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा। गोपाल राय ने कहा कि इस महा अभियान की शुरूआत दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर्यावरण विभाग, विकास विभाग, पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, एनडीएमसी, ट्रांसपोर्ट विभाग, ट्रैफिक पुलिस, डीडीए, डीएसआईडीसी और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि पिछली बार हमने 25 प्रतिशत प्रदूषण कम किया था और इस बार उससे ज्यादा प्रदूषण को कम करने में सफल होंगे।

पावर प्लांट और ईंट भट्ठों पर कार्रवाई?की अपील की

गोपाल राय ने बताया कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री की दिल्ली पंजाब, हरियाणा और यूपी के मंत्रियों के साथ गुरुवार को संयुक्त बैठक हुई थी, जिसमें उन्होंने पराली के समाधान, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में चल रहे पावर प्लांट और पुरानी तकनीक से चल रहे ईंट भट्ठों पर संबंधित राज्य सरकारों को कार्रवाई की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस तरह के करीब 1100 ईंट- भट्टे उत्तरप्रदेश में और हरियाणा तथा राजस्थान में 150--150 से अधिक ईंट भट्टे हैं। उन्होंने केंद्र और राज्यों से अपील की कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में वैज्ञानिकों की तरफ से विकसित नयी प्रौद्योगिकी को लागू करें।

–दिल्ली के प्रदूषण में करीब 45 प्रतिशत का योगदान पराली का रहा

गोपाल राय ने कहा कि जैसा हम सब जानते हैं कि जाड़े के समय में प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। जब हवा के अंदर ठंड और नमी बढ़ती है, उस समय पीएम-10 के और पीएम-2.5 के कण का घेरा दिल्ली के ऊपर बढ़ जाता है।

इसके मुख्य तौर पर दो मुख्य कारण है। पहला कारण है, जो दिल्ली के अंदर धूल प्रदूषण, बायोमॉस बर्निंग, वाहनों के माध्यम से अलग-अलग तरह के कण उत्सर्जित होते हैं। दीपावली के समय पटाखे जलाने, अलग-अलग जगहों पर कूड़े जलाने से पैदा होता है। वहीं, प्रदूषण का दूसरा जो हिस्सा है, उसमें दिल्ली के लोगों की कोई भूमिका नहीं होती है। जैसे पराली का जलना, पिछले साल दिल्ली के अंदर पराली जलने की घटना लगभग शून्य रही है।

वहीं, पंजाब के अंदर पश्चिमी यूपी के अंदर पराली जलाई जाती है। पिछली बार का आंकड़ा था कि दिल्ली के प्रदूषण में करीब 45 प्रतिशत का योगदान पराली का रहा है।

इच्छुक किसानों से फार्म भरवाया जा रहा

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर पराली की समस्या के लिए हमने निर्णय लेते हुए उस पर एक्शन प्लान बनाया, उसके लिए दिल्ली सरकार की तरफ से एक फार्म तैयार किया है। इसमें हम किसान का नाम, पिता का नाम, पता, संबंधित गांव और जिला की जानकारी ले रहे हैं।

गैर बासमती चावल का क्षेत्र, जिसमें घोल का छिड़काव करना है, उसका क्षेत्र कितना है और जिस दिन वह छिड़काव कराना चाहते हैं, वह तारीख ले रहे हैं। इस फार्म के आधार हमारी टीम वहां जाएगी और उस तारीख को खेत में छिड़काव किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री से हमने प्रदूषण स्तर कम करने में सभी का मांगा सहयोग

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि आज केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने दिल्ली पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मंत्रियों और अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से की है। दिल्ली के अंदर जो पराली की समस्या है, चूंकि यहां पर बासमती धान ज्यादा उगाया जाता है, लेकिन उसके अलावा गैर बासमती धान

जहां होता है, वो लगभग 800 हेक्टेयर का क्षेत्रफल है। आज हमने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री और सभी राज्यों के मंत्रियों के सामने दिल्ली के अंदर दिल्ली सरकार ने क्या-क्या एक्शन बनाए हैं। हमने उस पर चर्चा की। हमने बैठक में केंद्रीय मंत्री और सभी राज्यों के मंत्रियों से हमने तीन बातों के लिए अपील की है, जिसमें हमने कहा है कि दिल्ली का प्रदूषण स्तर कम करने के लिए हमें केंद्रीय मंत्री और राज्यों के मंत्रियों का सहयोग चाहिए।

अनलॉक-5 : अब हर जोन में रोजाना दो साप्ताहिक बाजार खुलेंगे

सिनेमा घरों-स्कूलों को लेकर बरकरार रहेगी यथास्थिति, एडीडीएमए की बैठक में जारी किए गए आदेश

नई दिल्ली.विनोद मणि गौतम

अनलॉक-5 में तहत दिल्ली में साप्ताहिक बाजारों को छूट दी गई है। बाकी यथास्थिति बनी रहेगी। अनलॉक-5 के तहत दिल्ली में नगर निगम के हर जोन में अब प्रतिदिन दो साप्ताहिक बाजार लग सकेंगे। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद और दिल्ली कैंट के क्षेत्राधिकार में भी रोजाना दो साप्ताहिक बाजारों को खोलने की अनुमति दी गई है, जिसके बाद अब दिल्ली में रोजाना लगभग 30 साप्ताहिक बाजार लग सकेंगे। दिल्ली सरकार ने अनलॉक-5 के तहत राजधानी में सभी प्रकार की गतिविधियों पर 31 अक्टूबर तक यथास्थिति बनाए रखने का निर्णय किया है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा बुधवार रात में जारी एक आदेश में मुख्य सचिव विजय देव ने कहा कि प्रत्येक नगर निगम जोन में दो

साप्ताहिक बाजारों को अनुमति दी जाएगी।

सिनेमा घरों-स्कूल रहेंगे बंद

दिल्ली सरकार की ओर से जारी निर्देश के बाद माना जा रहा है कि दिल्ली में सिनेमा घर और स्कूलों को लेकर यथास्थिति बनी रहेगी। केंद्र सरकार की ओर से सिनेमा घरों और स्कूलों को खोलने के लिए निर्देश दे दिए गए हैं। बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कंटेनमेंट जोन के बाहर और गतिविधियों को इजाजत देने के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए थे। इसमें 15 अक्टूबर से सिनेमाघरों, थियेटर और मल्टीप्लेक्स को उनकी 50 प्रतिशत तक बैठने की क्षमता के साथ खोलना शामिल है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 15 अक्टूबर के बाद स्कूलों और कोचिंग संस्थानों को चरणबद्ध तरीके से फिर से खोलने और कुछ शर्तों के साथ 100 लोगों की सीमा से अधिक वाले सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक समारोहों की अनुमति देने का निर्णय करने का अधिकार दिया है।

गैदरिंग पर रोक रहेगी जारी

आदेश में कहा गया है कि शहर में सभी सामाजिक, शैक्षणिक, मनोरंजन, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक कार्यक्रम के साथ ही अधिक लोगों वाले अन्य कार्यक्रम एवं सभाओं पर रोक रहेगी। इसमें कहा गया है कि विवाह संबंधी कार्यक्रमों में अधिकतम 50 व्यक्ति और अंतिम संस्कार एवं उसके बाद के संस्कारों में अधिकतम 20 व्यक्तियों को इजाजत होगी।

डोर टू डोर योजना का कृष्णा नगर में हुआ शुभारंभ

नई दिल्ली.ओपन सर्च

पूर्वी दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत आने वाले कृष्णा नगर वार्ड में घर-घर से कूड़ा उठाने की योजना का शुभारंभ स्थानीय निगम पार्षद एवं पूर्व अध्यक्ष स्थाई समिति पूर्वी दिल्ली नगर निगम संदीप कपूर द्वारा किया गया। इस योजना के तहत नए डिजाइन के कूड़ा उठाने के ऑटो टिपर जिनमें गीला और सूखा कूड़ा उठाने के अलग-अलग खाने बने हुए ऐसे ही नई डिजाइन की रिक्शा एवं कंपैक्टर ट्रक भी वार्ड में लगाए गए हैं। कृष्णा नगर वार्ड में 1100 लीटर के लोहे के कूड़ा उठाने के डब्बे अलग-अलग स्थानों पर जहां कूड़ा फेंका जाता है लगाए जाएंगे। घर घर से गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग उठाया जाएगा और गीला कूड़ा कृष्णा नगर स्थित 5 टन के बायो मिथेन आई जेशन प्लांट पर गैस और खाद बनाने के लिए भेजा जाएगा और बाकी कूड़ा फिलहाल गाजीपुर साइट पर जाएगा। जल्दी ही वार्ड में सूखे कूड़े से री साइकिल के लिए लोहा, प्लास्टिक, कागज आदि वस्तु को निकालने के सेंटर की भी शुरुआत होगी। यह सूखा कूड़ा बेचा जाएगा और इस से प्राप्त धन को पूर्वी दिल्ली नगर निगम के खाते में जमा करवाया जाएगा। कार्यक्रम में किशन नगर से विधानसभा प्रत्याशी रहे डॉ अनिल गोयल, कुश बिंद्रा, महेंद्र भटेजा, राजेश चड्ढा, भरत नागपाल, विनय गुप्ता, सरिता भाटिया एवं बड़ी संख्या में स्थानीय आरडब्लूए और नागरिकों ने भाग लेकर इस योजना को सफल बनाने के लिए सहयोग देने का संकल्प लिया।

opensearch

पिछले 24 घंटे में कोरोना के 3037 नए मामले, 40 मौत

नई दिल्ली.ओपन सर्च। राजधानी दिल्ली में कोरोना के नए मामले लगातार सामने आ रहे हैं। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की तरफ से गुरुवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार पिछले 24 घंटे में कोरोना के 3037 नए मामले सामने आए जबकि 55 हजार 423 लोगों की जांच हुई। वहीं पिछले 24 घंटे में 40 कोरोना मरीजों की मौत हुई हैं। जबकि 3167 मरीज ठीक/डिस्चार्ज/माइग्रेट हुए है। अभी दिल्ली में पॉजिटिविटी रेट 5.48 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में अब तक 2 लाख 82 हजार 752 लोग संक्रमित हो चुके है। इनमें से 2 लाख 50 हजार 613 मरीज ठीक/डिस्चार्ज/माइग्रेट हुए हैं। अब तक दिल्ली में 5401 लोगों की कोरोना के कारण मौत हो चुकी है। दिल्ली में अभी 26 हजार 738 एक्टिव केस है। इनमें से 15 हजार 899 मरीज होम आईसोलेशन में है।

–अस्पतालों में 9697 बेड खाली

दिल्ली के अलग-अलग अस्पतालों में कोरोना मरीजों के लिए 15843 बेड हैं। इनमें से 6146 बेड पर मरीज भर्ती है। वहीं, 9697 बेड अभी खाली है। अगर कोविड केयर सेंटर की बात करें तो इसमें कुल 8137 बेड उपलब्ध हैं। इनमें में 1327 बेड भरे हैं जबकि 5898 बेड खाली हैं। वहीं कोविड हेल्थ सेंटर में कुल 527 बेड उपलब्ध हैं। इनमें से 329 बेड भरे हैं जबकि 198 बेड अभी भी खाली हैं।

2615 कंटेनमेंट जोन

दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अब एक या दो कोरोना पॉजिटिव मरीज जिस इलाके में सामने आते हैं। उसे कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया जाता है। गुरुवार के हेल्थ बुलेटन के अनुसार अभी दिल्ली में 2615 एक्टिव कंटेनमेंट जोन है।

दिल्ली में 55423 जांचे हुई

दिल्ली में पिछले 24 घंटे में रिकार्ड 55423 जांचे हुई। सरकार की घोषणा के बाद कोरोना की टेस्टिंग भी तेज कर दी गई। पिछले 24 घंटे में 9 हजार 969 लोगों की आरटीपीसीआर टेस्ट और 45 हजार 445 लोगों की रैपिड एंटीजन टेस्ट से जांच की गई। अब तक दिल्ली में 31 लाख 35 हजार 388 लोगों की कोरोना जांच की जा चुकी है।

आधुनिक भारत में सामाजिक चेतना के योगदान की प्रतिमूर्ति थे महात्मा गांधी: डॉ. जीतराम भट्ट

नई दिल्ली.ओपन सर्च

हमारा देश महान स्त्रियों और पुरुषों का देश है जिन्होंने देश के लिए ऐसे आदर्श कार्य किए हैं जिन्हें भारतवासी सदा याद रखेंगे। कई महापुरुषों ने हमारी आजादी की लड़ाई में अपना तन-मन-धन परिवार सब कुछ अर्पण कर दिया। ऐसे ही महापुरुषों में से एक थे महात्मा गांधी। महात्मा गांधी युग पुरुष थे जिनके प्रति पूरा विश्व आदर की भावना रखता था। महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात में पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा पोरबंदर में पूर्ण करने के पश्चात राजकोट से मेट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण कर आप वकालत करने इंग्लैंड चले गए। वकालत करके लौटने पर वकालत प्रारंभ की। एक मुकदमे के दौरान आपको दक्षिण अफ्रीका जाना पड़ा। वहां भारतीयों की दुर्दशा देख बड़े दुखी हुए। ये विचार दिल्ली संस्कृत आकदमी दिल्ली सरकार एवं प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान दिल्ली सरकार के संयुक्त तत्वाधान में करोलबाग नई दिल्ली में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की सामाजिक चेतना पर योगदान विषय पर आयोजित संगोष्ठी में अकादमी के सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने व्यक्त किये। डॉ. भट्ट ने आगे कहा कि गांधीजी ने अंग्रेजों से विरोध को प्रकट करने के लिए सत्याग्रह को अपना प्रमुख अस्त्र बनाया। सत्य, अहिंसारूपी अस्त्रों के सामने अंग्रेजों की कुटिल नीति तथा अमानवीय व्यवहार के विरुद्ध गांधीजी ने सत्याग्रह आंदोलन आरंभ किए। असहयोग आंदोलन एवं सविनय अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व किया। गांधीजी के उच्चादर्शों एवं सत्य के सम्मुख उन्हें झुकना पड़ा और वे हमारा देश छोड़ चले गए। बांधी जी के 3 बन्दरों का सिद्धन्त मूल रूप से गांधी जी के जीवन के लक्ष्यों को दर्शाता है। महात्मा गांधी ने सामाजिक चेतना को आम लोगों में पैदा करने के लिये अनेक आंदोलन एवं कार्य किये। वे भारत में नई क्रांति लाना चाहते हैं। गांधीजी की सामाजित चेतना में छुआ छूत को देश से दूर करने का प्रयास किया जो आज पूर्णरूप से सफल रहा है। महात्मा गांधी जी ने भाषा, जाति और धर्म संबंधी भेदों को समाप्त करने का आजीवन प्रयत्न किया। स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर जोर दिया। सूत कातने, सब धर्मों को आदर से देखने और सत्य, अहिंसा को जीवन में अपनाने की शिक्षा दी। गांधीजी ने विश्व को शांति का संदेश दिया। इस अवसर पर अकादमी के सहायक लेखा अधिकारी श्री रोहित सेठी ने कहा कि महात्मा गांधी जी ने गीता को अपना आदर्श माना और उसे एक गुरू के रूप में मान कर अपने जीवन में अपनाया। गांधी जी के नेतृत्व में देशवासियों में राष्ट्रीय भावना जागी और वे राष्ट्र की सेवा में जुट गए। अंग्रेजों की कुटिल नीति तथा अमानवीय व्यवहार के विरुद्ध गांधीजी ने सत्याग्रह आंदोलन आरंभ किए।

उद्योगपतियों को दिल्ली सरकार ने दी बड़ी राहत

औद्योगिक भूमि ट्रांसफर शुल्क हुआ नियमित, बाजार भाव का 5–10 प्रतिशत देना होगा

डीएसआईआईडीसी के कर्मचारियों को मासिक तौर पर मिलेगा इंसेंटिव

नई दिल्ली.विजय कुमार

दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (डीएसआईआईडीसी) ने राष्ट्रीय राजधानी के उद्योगपतियों को बड़ी राहत देते हुए औद्योगिक भूखंडों के लीज होल्ड अधिकारों के हस्तांतरण, नियमितीकरण और पुन~ बहाली के लिए पालिसी में बदलाव करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर दिल्ली के उद्योग मंत्री सत्येंद्र जैन की अध्यक्षता में दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएसआईआईडीसी) ने संपत्ति हस्तांतरण के लिए शुल्क को नियमित (स्थायी) करने का फैसला किया है। संपत्ति हस्तांतरण पर जमीन के बाजार मूल्य का 5 से 10 फीसदी शुल्क

लगेगा।दिल्ली सरकार के उद्योग मंत्री सत्येंद्र जैन की अध्यक्षता में हुई डीएसआईआईडीसी की बोर्ड बैठक में इसको लेकर निर्णय लिया गया है। बोर्ड बैठक में तय किया गया कि निर्धारित समय के भीतर औद्योगिक भूखंडों की संपत्ति हस्तांतरण, जीपीए धारक, लीज डीड रद्द करने, शेयर होल्डिंग पैटर्न में बदलाव और जमीन पर तय समय के भीतर निर्माण नहीं होने के कारण लीज रद्द किए जाने संबंधी कार्यों को नियमित कराने के लिए जमीन की बाजार कीमत का महज 5 से 10 फीसदी शुल्क देना होगा। इसके अलावा, बोर्ड ने डीएसआईआईडीसी के कर्मचारियों को उनके कार्य के आधार पर ह्यप्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजनाह्न को मंजूरी दी है। इसका लाभ प्लेसमेंट एजेंसी (आईसीएसआईएल) और डीएसआईआईडीसी के साथ अनुबंध पर कार्य कर रहे सभी कर्मचारियों को मिलेगा।

इस प्रकार मिलेगा संविदा कर्मचारी को प्रोत्साहन

1. 5 साल से कम समय से नौकरी कर रहे संविदा कर्मचारियों को मौजूदा वेतन पर 10 फीसदी मासिक प्रोत्साहन मिलेगा।
2. पिछले 5 से 10 वर्ष से नौकरी कर रहे कर्मचारियों को मौजूदा वेतन पर प्रतिमाह 20 फीसदी प्रोत्साहन मिलेगा।
3. 10 वर्ष से अधिक समय से नौकरी कर रहे कर्मचारियों को मौजूदा वेतन पर 30 फीसदी प्रतिमाह प्रोत्साहन राशि का लाभ मिलेगा।

वहीं इसके अलावा, बोर्ड ने डीएसआईआईडीसी के सभी सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्यों को 5 लाख रुपए तक का कैशलेस चिकित्सा बीमा प्रदान करने का निर्णय लिया है। बोर्ड ने फैसला किया है कि डीएसआईआईडीसी के सेवारत और संविदा कर्मचारियों का 5 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कराया जाएगा। बोर्ड ने ह्यवन टाइम एमनेस्टी स्कीमह्न का समय आगे बढ़ाने का फैसला किया है। इसके तहत औद्योगिक, वाणिज्यिक, दुकान, संस्था, आवासीय (लीजहोल्ड/किराये) संपत्ति के आवंटियों-पट्टेदारों पर बकाया जमीन के किराए, लीज रेंट, मेंटेनेंस, यूटिलिटी चार्जेज, लाइसेंस फीस/रेंट को एकमुश्त चुकाने पर आधा ब्याज माफ कर दिया जाएगा। बकाया राशि 31 दिसंबर 2020 तक चुकाने पर ब्याज में 50 फीसदी की छूट मिलेगी। बकाया राशि पर ब्याज 18 फीसदी के बजाए सिर्फ 9 फीसदी ही देना होगा।

निदेशक के साथ हाथापाई व दुर्व्यवहार के विरोध में डॉक्टरों ने किया हंगामा

नई दिल्ली.ओपन सर्च

भारतीय जनता पार्टी के निगम पार्षद सचिन शर्मा द्वारा निगम के अस्पताल प्रशासन के निदेशक डॉ. मुकेश कुमार के साथ की कथित हाथापाई व दुर्व्यवहार के विरोध में डॉक्टरों ने निगम मुख्यालय उद्योग सदन में जमकर हंगामा करते हुए पार्षद की गिरफ्तारी व उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। महापौर निर्मल जैन ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह अपने में उचित नहीं है। निगम मुख्यालय में आज सुबह से नाराज डॉक्टरों ने जमा होना शुरू कर दिया था बाद में कांग्रेस की नेता कुमारी रिंकू भी डॉक्टरो के साथ धरने पर बैठ गई और इस दौरान उन्होंने कहा कि पार्षद होने का मतलब ये नहीं है कि गुंडागर्दी का लाइसेंस मिल जाना है। भाजपा शासित निगम को तत्काल सचिन शर्मा को निलंबित करना चाहिए। महापौर कार्यालय पर डॉक्टरों ने जमकर नारेबाजी करते हुए उनसे न्याय की मांग की। इस दौरान महापौर निर्मल जैन ने निगम आयुक्त व अन्य अधिकारी सदन नेता प्रवेश शर्मा, सचिन शर्मा और डॉ मुकेश कुमार के साथ बैठक कर आपस में समझौता करने की कोशिश भी की, लेकिन डॉक्टर अपने आंदोलन से पीछे हटने को तैयार नहीं हुए। डॉ मुकेश ने कहा कि सचिन शर्मा ने उनके साथ जो व्यवहार किया है, उससे मैं शारीरिक रूप से कहीं ज्यादा मानसिक रूप से उत्पीड़ित हूं। मुझे ऐसी उम्मीद नहीं थी कि बंद कमरे में एक जनप्रतिनिधि इस तरह हाथापाई करते हुए घटिया भाषा का प्रयोग करेगा। डॉ मुकेश के अनुसार उन्होंने सचिन शर्मा से एक शब्द भी ऐसा नहीं कहा जो की गरिमा से अलग हो लेकिन वह बदतमीजी पर अड़े रहे। उनके साथ मौजूद अन्य डाक्टरों ने कहा कि यह लड़ाई अब मुकेश कुमार की नहीं है। यह डॉक्टरों के सम्मान की लड़ाई है यदि डॉक्टर ही सुरक्षित नहीं होगा तो वह क्या उपचार करेगा। महापौर निर्मल जैन ने कहा कि इस पद पर रहते हुए उनका दायित्व निष्पक्ष रहने का है।

सम्पादकीय...
ओपन सर्च

एक और ऐतिहासिक फैसला

अयोध्या विवाद पर एक और ऐतिहासिक अदालती फैसला सुनाया गया है। दरअसल इसके साथ ही अयोध्या और श्रीराम जन्मभूमि से जुड़े तमाम विवादों का पटाक्षेप हो जाना चाहिए। सीबीआई की विशेष अदालत ने सभी 32 आरोपियों को बरी कर दिया है। अयोध्या में 6 दिसंबर, 1992 को कारसेवकों ने विवादित ढांचे को ढहा दिया था। अदालतें उस इमारत को बाबरी मस्जिद करार नहीं देतीं, लिहाजा 'विवादित ढांचा्य शब्द का इस्तेमाल किया जाता रहा है। विध्वंस की उस महाघटना के 28 लंबे सालों के बाद सीबीआई की विशेष अदालत ने जब फैसला सुनाया, तब तक उस आंदोलन के 17 'सूरमा्य दिवंगत हो चुके थे और अधिकतर चेहरे प्रासंगिक नहीं रहे हैं।

आंदोलन के शीर्ष रथी एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री 92 वर्षीय लालकृष्ण आडवाणी, तत्कालीन उप्र मुख्यमंत्री 88 वर्षीय कल्याण सिंह, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं हिंदूवादी विचारक डा. मुरली मनोहर जोशी आज राजनीतिक तौर पर अप्रासंगिक हैं और निष्क्रिय भी हो चुके हैं, लेकिन आडवाणी ने इस फैसले को ऐतिहासिक और खुशी का पर्व माना है। उनके आवास के बाहर लड्डू भी खिलाए गए। यकीनन संघ परिवार के लिए यह आध्यात्मिक और नैतिक जश्न और उल्लास का अवसर है। डा. जोशी ने 'जय श्रीराम' के नारे के साथ कहा कि 'सबको सन्मति दें प्रभु राम।' बहरहाल आपराधिक साजिश, राष्ट्रीय सद्भाव बिगाड़ने के आरोपों के एक बेहद संवेदनशील मामले में विशेष अदालत ने न्यायिक फैसला सुनाया है, लिहाजा वह दस्तावेजी और ऐतिहासिक है। अब कई भ्रम टूट सकते हैं, कई राजनीतिक कलंक धुल सकते हैं और कुछ कानून की भूमिका पर संतोष जताते हुए राजनीतिक चुप्पी धारण कर सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने जिस फैसले में रामलला को विवादित भूखंड देने का आदेश दिया था, उसमें विवादित ढांचे को ढहाने की घटना को 'दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक' करार दिया था। शायद उसी सोच के मद्देनजर मुस्लिम पक्ष को, मस्जिद बनाने के लिए, 5 एकड़ जमीन देने का भी फैसला सुनाया था। इस नजरिए से यह अदालती फैसला बेहद महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह अयोध्या विवाद का पटाक्षेप करता है। हालांकि इतने सालों के दौरान यह सवाल राजनीति करता रहा कि 6 दिसंबर, 1992 की महाघटना क्यों हुई? विवादित ढांचे का विध्वंस एक आपराधिक साजिश थी और वह अपराध किन स्तरों पर हुआ, इसकी विवेचना भी जरूरी थी। इन सालों में सांप्रदायिकता और धर्मनिरपेक्षता के दो हिस्सों में हमारी सियासत भी बंट गई थी। आज सब कुछ बेमानी और पूर्वाग्रही लग रहा है। हालांकि विरोधी पक्ष अब भी शांत बैठेगा, ऐसा लगता नहीं। 1992 के हादसे के बाद सीबीआई और लिब्रहान आयोग से यह मामला गुजरा है। अदालत में करीब 600 दस्तावेज पेश किए गए हैं और 351 गवाह दर्ज किए गए। अदालत में 26 आरोपी मौजूद रहे। बहरहाल विशेष अदालत के जज एस.के.यादव ने फैसले का सारांश पढा, तो तमाम आरोप खंडित होते चले गए। जज का फैसला था कि अयोध्या में वह घटना अचानक हुई। वह पूर्व नियोजित नहीं थी। अचानक अराजक तत्त्वों की भीड़ आई और उसने ढांचा तोड़ा। सभी आरोपियों ने ढांचा बचाने की कोशिशें कीं, लेकिन वे नाकाम रहे। जज ने कहा कि अभियोजन पक्ष मजबूत साक्ष्य पेश नहीं कर पाया। किसी तस्वीर और वीडियो के जरिए किसी को आरोपी नहीं माना जा सकता, लिहाजा साक्ष्य के तौर पर वे स्वीकार भी नहीं किए जा सकते। अदालती फैसला करीब 2300 पन्नों का है। इसी के साथ सभी आरोपी बरी कर दिए गए।

जांच एजेंसियों ने 120-बी के तहत आपराधिक साजिश, भीड़ को उकसाने, उन्माद और उत्तेजना तथा राष्ट्रीय भाईचारा बिगाड़ने सरीखे जो गंभीर आरोप लगाए थे या थ्योरी गढ़ी गई थी, आज वह बिलकुल नाकाम साबित हुई है। इस फैसले से रामभक्तों, साधु-संतों और संघ परिवार के नेताओं का प्रसन्न होना स्वाभाविक था, क्योंकि अयोध्या में श्रीराम का भव्य मंदिर बनाना उनका आंदोलन था।

इस तरह तत्कालीन केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों ने 120-बी के तहत आपराधिक साजिश, भीड़ को उकसाने, उन्माद और उत्तेजना तथा राष्ट्रीय भाईचारा बिगाड़ने सरीखे जो गंभीर आरोप लगाए थे या थ्योरी गढ़ी गई थी, आज वह बिलकुल नाकाम साबित हुई है। इस फैसले से रामभक्तों, साधु-संतों और संघ परिवार के नेताओं का प्रसन्न होना स्वाभाविक था, क्योंकि अयोध्या में श्रीराम का भव्य मंदिर बनाना उनका आंदोलन था। वह आस्था भी थी और एक राजनीतिक ध्रुवीकरण का आधार भी था। उसके पूर्णत्व के लिए विवादित ढांचे के खंडहरों का 'मलबा' किया जाना जरूरी था। लिहाजा इस अदालती फैसले के बाद कुछ भाजपाई नेताओं, साधुओं, आचार्यों और समर्थकों ने उद्घोष करना शुरू कर दिया है-अयोध्या तो झांकी है, मथुरा-काशी बाकी है। संयोग है कि आज मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि को लेकर और ईदगाह मस्जिद के खिलाफअदालती केस शुरू हुआ है। साफ है कि मथुरा और काशी में कृष्ण और शिव भगवानों के तोड़े गए मंदिरों और उस जमीन पर इस्लामवादियों के अतिक्रमण का नया अध्याय भी बहुत जल्दी सामने आ सकता है।

मुद्दा आतंकवाद की परिभाषा का

विवेक ओझा

संयुक्त राष्ट्र महासभा में आतंकवाद की एक सार्वभौमिक परिभाषा को लेकर भारत के संधि संबंधी प्रस्ताव को दक्षिण एशियाई देश नेपाल का समर्थन मिला है। नेपाल ने साफ कर दिया है कि वह 1996 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत द्वारा प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक संधि के प्रस्ताव को पूर्ण समर्थन देगा। पिछले कुछ वर्षों से भारत ने लगातार पूरी दुनिया के देशों से इस संधि के समर्थन में सहयोग मांगा है। इस संधि के सार्वभौमिक समर्थन के लिए भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा, ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन, जी-20, इस्लामिक सहयोग संगठन (आइओसी) सहित सभी प्रमुख मंचों पर कूटनीतिक प्रयास किए हैं। ऐसे में नेपाल जैसा पड़ोसी देश जो हाल में चीन और पाकिस्तान के प्रभाव में दिखा है, से ऐसा समर्थन मिलने की बात इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह राजनीतिक और आर्थिक दोनों रूपों में विभाजित दक्षिण एशियाई देशों में अंतरराष्ट्रीय आंतकवाद की एक सार्वभौमिक परिभाषा वाले प्रस्ताव के पक्ष में सोचने की दिशा तय कर सकता है। वस्तुतः नेपाल सहित अन्य दक्षिण एशियाई देशों और आइओसी के सदस्य देशों पर इस संधि को पूर्ण समर्थन देने का दबाव हाल में बढ़ा है। जब से पाक प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) ने कमर कसी है, तब से दुनिया के कई देशों में आंतकवाद से निपटने की पारंपरिक मानसिकता में बदलाव देखे गए हैं।

नेपाल के इस बदले अंदाज और भारत के समर्थन के कारणों की पड़ताल अमेरिकी विदेश विभाग की पिछले साल नवंबर में जारी रिपोर्ट 'कंट्री रिपोर्ट ऑन टेररिज्म 2018' से की जानी चाहिए। इस रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि इंडियन मुजाहिदीन (आइएम) ने भारत के खिलाफ आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए नेपाल को अपना सबसे बड़ा अड्डा बना लिया है। उसने लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हरकत उल-जिहादी इस्लामी से भी गठजोड़ कर लिया है। रिपोर्ट कहती है कि आइएम का पहला मकसद भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम देना है। इसी के तहत उसने अपना दायरा बढ़ाते हुए नेपाल को अपना सबसे बड़ा केंद्र बनाया। इसके लिए उसे पाकिस्तान सहित मध्यपूर्व के देशों से पैसा भी मिलता है। इसलिए नेपाल भारत के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए कुछ सकारात्मक मानसिकता प्रदर्शित करना चाहता है।

पिछले साल सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक संधि को तत्काल स्वीकार करने, इस पर हस्ताक्षर करने और इसका समर्थन करने के लिए राष्ट्रों से अपील की थी। साथ ही, कई क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत ने इसे मूर्त रूप देने के लिए राष्ट्रों से सहयोग मांगा था, क्योंकि आतंकवाद की कोई सार्वभौमिक स्वीकृत परिभाषा नहीं होने की वजह से विभिन्न देशों के राष्ट्रीय कानूनों में आतंकवाद और आतंकवादियों से निपटने संबंधी प्रावधानों में अस्पष्टता बनी रहती है। इसीलिए भारत ने वर्ष 1996 में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक संधि को अपनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में एक प्रस्ताव रखा था, लेकिन अमेरिका, ओआइसी के सदस्य देशों और कुछ लैटिन अमेरिकी देशों के विरोध और मतभेद के चलते इस प्रस्ताव को अंगीकृत नहीं किया जा सका था।

अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक संधि (सीसीआइटी) संबंधी प्रस्ताव वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने की एक वैधानिक रूपरेखा पेश करता है। यह सभी हस्ताक्षरकर्ता देशों पर बाध्यकारी दायित्व तय करने का प्रस्ताव करता है कि वे आतंकी समूहों के वित्तपोषण और उन्हें सुरक्षित पनाह देने का काम न करें। सीसीआइटी के मुख्य उद्देश्य उद्देश्यों की बात करें तो इसमें कुछ ठोस प्रावधान करने की बात की गई है। इस संधि में जिन प्रमुख बातों को रखा गया है उनमें पहली यह कि आतंकवाद की एक सार्वभौमिक परिभाषा, जिसे संयुक्त राष्ट्र के सभी एक सौ तिरानवे सदस्य देश अपने आपराधिक कानूनों में शामिल करें। दूसरी बात यह कि इसका उद्देश्य सभी आतंकी समूहों को प्रतिबंधित करना और सभी आतंकी शिविरों को खत्म करना है। इस संधि में राष्ट्रीय सरकारों से ऐसा करने का आह्वान किया गया है। तीसरी बात, सभी आतंकवादियों के खिलाफ विशेष कानूनों के तहत मुकदमा चलाने का प्रावधान करना और इसे राष्ट्रों पर बाध्यकारी बनाने को लेकर है।भारत का मानना है कि सामान्य कानून और व्यवस्था से संबंधित नियम-कानूनों की बजाय विशिष्ट आतंक निरोधक कानूनों के जरिए ही इस समस्या से निपटा जा सकता है, वरना आतंकवादियों को संरक्षण के रास्ते खुले रहेंगे। यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक है कि पाकिस्तान ने आतंकी संगठनों और उनके मुखियाओं के खिलाफ कानून व्यवस्था बनाए रखने के कानूनों के तहत कार्रवाई की है, न कि आतंकवाद निरोधक कानून, 1997 के तहत। इससे पाकिस्तान की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। पाकिस्तान ने मसूद अजहर और हाफिज सईद पर मुकदमा शांति के भंग करने के आरोपों के तहत चलाया है, न कि आंतकवाद निरोधक कानूनों के तहत।चौथा सबसे महत्त्वपूर्ण बिंदु यह है कि सीमा पार आतंकवाद को विश्वव्यापी स्तर पर एक प्रत्यर्पण योग्य अपराध बनाना, ताकि एक देश से भाग कर दूसरे देश में रह रहे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई संभव हो सके। इस संदर्भ में भारत और अफगानिस्तान के बीच 2016 में हुई प्रत्यर्पण संधि का जिक्र आवश्यक है, जिसके अनुमोदन पत्र का दोनों देशों ने निर्णायक रूप से आदान-प्रदान पिछले साल नवंबर में किया था। इस प्रत्यर्पण संधि से भारत और अफगानिस्तान के बीच आतंकवादियों, आर्थिक अपराधियों और ऐसे ही अन्य अपराधियों के प्रत्यर्पण का कानूनी रास्ता खुल जाएगा। वैश्विक आंतकवाद से निपटने के लिए ऐसा ही विधिक सहयोग सभी राष्ट्रों के मध्य होना अपेक्षित है।

सीसीआइटी में इतने प्रभावी और समाधान आधारित प्रावधान होने के बावजूद इसके मार्ग में अवरोध बने हुए हैं और यह मूर्त रूप नहीं ले पा रहा है। सबसे पहले तो ओआइसी के सदस्य देशों के विरोध के चलते यह परवान नहीं चढ़ सका। ओआइसी देशों का मानना रहा है कि राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलनों को आतंकवाद की परिभाषा से बाहर रखा जाए, जैसे इजरायल और फिलस्तीन का युद्ध और इस आधार पर फिलस्तीन के उग्रवादी और आतंकी गुटों के कार्यकलापों को वैध ठहराया जाना। दूसरा, पाकिस्तान जैसे देश आतंकियों को स्वतंत्रता सेनानी के रूप में देखते हैं और आतंकी कृत्य को एक धर्म युद्ध के रूप में। पाक अधिकृत कश्मीर में आजादी की लड़ाई को पाकिस्तान एक जेहाद के रूप में देखता है। इसलिए वह भारत द्वारा प्रस्तावित इस संधि का विरोध करता है। इसी तरह कुछ लैटिन अमेरिकी देशों जैसे कोलंबिया, वेनेजुएला, क्यूबा और पेरू में साम्यवादी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पृथकतावादी आंदोलन और उससे संबंधित कार्यों को आतंकी कृत्य और आतंकवाद की परिभाषा में शामिल न करने पर जोर दिया जाता रहा है। इन कारणों से सीसीआईटी पर वैश्विक सर्वसम्मति नहीं बन पाई है।इन समस्त अवरोधों के बावजूद भारत जिस मुखरता से हर साल संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना सम्मेलन में इस संधि को सभी देशों द्वारा अंगीकार करने और उसे वैधानिक रूप से बाध्यकारी बनाने के लिए प्रयासरत है, उसे देख कर तो लगता है कि वह दिन दूर नहीं जब भारत इस संधि के पक्ष में अधिकतम समर्थन जुटा लेगा। इसके साथ ही भारत सहित वैश्विक स्तर पर आतंकी समूहों की रणनीति में आ रहे आमूलचूल बदलावों को ध्यान में रखते हुए भारत में आतंकवाद को प्रतिस्पर्धी उद्योग के रूप में न पनपने देने के लिए ठोस रणनीति बनानी होगी।

जब नकारात्मकता ही योग्यता बन जाए?

opensearch

निर्मल रानी

हमारे देश में ज[illegible] किसी व्यक्ति का चयन किसी सरकारी [illegible] के लिए हो जाता है तो उसे अपना चरित्र प्रमाण पत्र देना पड़ता है। उसे अपने रिहायशी क्षेत्र से संबध पुलिस थाने से एक अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना पड़ता है जिसमें पुलिस यह लिख कर देती है कि उस के विरुद्ध किसी तरह का आपराधिक मुकदमा नहीं चल रहा है तथा उसका चरित्र व चाल-चलन ठीक है। यानी यदि पुलिस किसी तरह की नकारात्मक रिपोर्ट दे दे तो उस युवक की नौकरी भी खतरे में पड़ सकती है। यह वर्ग लोकतंत्र के चार स्तंभों में 'कार्यपालिका' वर्ग कहलाता है जो कि पूरे देश की सरकारी व्यवस्था को संचालित करता है। कार्यपालिका में हर तरह की सेवाओं के अलग अलग शैक्षिक मापदंड भी होते हैं। विभिन्न सेवाओं में आयु संबंधी मापदंड भी निर्धारित हैं। कई सेवाओं में शारीरिक मापदंड भी निर्धारित हैं। कई सेवाओं में अनुभव भी देखा जाता है। अधिकांश सेवाओं में प्रशिक्षण देने के बाद ही सेवा शुरू करने का अवसर दिया जाता है। इस व्यवस्था में अनुशासनहीनता करने या किसी आरोप में नाम आने पर नियमानुसार [illegible] करने तक की भी व्यवस्था होती है।

यदि क्रम वार देखा जाए तो न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका तथा मीडिया के क्रम में विधायिका तीसरे स्थान पर तो जरूर है परन्तु स्वयंभू रूप से राजनीति के राष्ट्रीय नेटवर्क ने विधायिका को सर्वोच्च समझना शुरू कर दिया है। और दुर्भाग्यवश विधायिका या संसदीय व्यवस्था में दाखिल होने के लिए ऐसी किसी योग्यता या आयु प्रमाण पत्र अथवा चरित्र प्रमाण पत्र की जरुरत नहीं जो कार्यपालिका के किसी भी विभाग में छोटे से छोटे पद पर सेवा करने हेतु जरूरी होता है। बल्कि कहना गलत नहीं होगा कि नीतियाँ व कानून बनाने वाली इस व्यवस्था में प्रायः नकारात्मकता को ही योग्यता का पैमाना माना जाता है। भारतीय फ़िल्म उद्योग भी हमारे देश की इस कड़वी परन्तु सच्चाई बयान करने वाली हकीकत पर अनेक फ़िल्में बना चुका है जिसमें यहाँ तक दिखाया जा चुका है कि किस तरह अपराधी, माफ़िया व गैंगस्टर सफेद पोश बनकर देश के नीति निर्माताओं की भूमिका अदा करते हैं। इस हकीकत से रूबरू करने वाले असंख्य आलेख, कविताएं, व्यंग्य, कटाक्ष, कार्टून, फ़िल्मी गीत सब कुछ लिखे जा चुके हैं। देश की छोटी से लेकर बड़ी आदालतें तक अनेक बार इस हकीकत को उजागर करते हुए कई फैसले व टिप्पणियां दे चुकी हैं। संसद से लेकर विभिन्न विधान सभाओं तक कितने माननीय ऐसे हैं जो देश की विधायिका व्यवस्था पर बदनुमा दाग हैं इसकी विस्तृत सूची भी अक्सर मीडिया में प्रकाशित होती रहती है। परन्तु विधायिका के स्वयंभू ठेकेदारों को इन सब बातों से कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता।

हमारे देश में दंगाइयों को संरक्षण दिया जाता है। न केवल संरक्षण बल्कि उन्हें पुरस्कार स्वरूप विधान सभा, लोकसभा के चुनाव में अपना प्रत्याशी बनाया जाता है। चुनाव जीतने पर मंत्री पद से नवाजा जाता है। यूँ समझिये की जिसने जितना बड़ा दंगा कराया व जितने अधिक लोग दंगों में मारे गए उसे उतना ही बड़ा रुतबा दिया जाता है तथा दंगे भड़काने वाले ऐसे नेता को उतना ही बड़ा व प्रभावशाली नेता माना जाता है। दक्षिण भारत का एक विधायक जिसे पिछले दिनों फेस बुक ने प्रतिबंधित करने की घोषणा की उसके यू ट्यूब पर वी डी ओज देखें तो [illegible] वी डी ओ में वह समुदाय विशेष को बुरा भला कहता, चुनौती देता व अपमानित करता सुनाई देता है। परन्तु वह अपनी पार्टी का इतना दुलारा है कि वह हर बार पार्टी टिकट भी पाता है और चुनाव भी जीतता है। दिल्ली दंगों में पूरा देश देख ही रहा है कि किस तरह पुलिस बेकुसूरों को जेल भेज रही है और दंगा भड़काने वालों को संरक्षण दे रही है। यदि निकट भविष्य में दिल्ली के भाजपा नेता कपिल मिश्रा को पार्टी कोई बड़ी जिम्मेदारी दे या दिल्ली चुनाव उन्हीं के चेहरे पर लड़े तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है। अफ़सोस के साथ कहना पड़ता है कि इस समय देश में विधायिका के सर्वोच्च समझे जाने पदों पर बैठे अनेक लोगों पर गंभीर अपराध के अनेक छींटे पड़े हुए हैं। भले ही अपने रसूक, कानूनी तिकड़मबाजी, ऊँचे वकील, झूठ व दहशत का वातावरण पैदा कर वे सजा याफ्ता होने से बच गए हों परन्तु इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि उन्होंने अपराध नहीं किया या अपराध को संरक्षण नहीं दिया अथवा उसकी साजिश में शामिल नहीं हुए।

अब दल बदल को ही ले लीजिये। देश की आम जनता नेताओं के स्वार्थ पूर्ण व असैद्धांतिक दल बदल को अच्छी नजरों से नहीं देखती। अन्यथा दलबदलू, अवसरवादी या पलटी बाज जैसे शब्दों का चलन न होता। आज लगभग प्रत्येक पार्टियों के नेता केवल अपनी कुर्सी व पद के लिए ही एक दल से दूसरे दल में जाते हैं। परन्तु उस दलबदलू को नया दल कितना सम्मान देता है यह भी देश देखता रहता है। इनका कोई सिद्धांत नहीं होता इन्हें केवल पद चाहिए। जो पार्टी इन्हें कुर्सी का प्रस्ताव दे वही इनका सिद्धांत व विचारधारा है। गत दिनों बंगलौर के युवा सांसद तेजस्वी सूर्या को अखिल भारतीय जनता युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया। यह बचपन से ही आर एस एस की शाखाओं में जाया करते थे। शायद यही वजह है कि मुस्लिम विरोध इन्हें संस्कारों में हासिल हुआ है। अनेक बार यह अपने विवादित बयानों के लिए सुर्ख़ियाँ बटोर चुके हैं। इन्होंने अरब देशों की महिलाओं के बारे में कुछ ऐसी अभद्र बातें की थीं कि मध्य पूर्व के कई देशों के नेतृत्व ने सीधे प्रधानमंत्री को इनके बयानों के संबंध में अपना विरोध आपत्ति दर्ज कराई थी। गोया इनके बयानों से देश को शर्मिंदा होना पड़ा था। परन्तु पार्टी के शीर्ष द्वारा उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई करना या बयान देना तो दूर उल्टे आज उन्हें संगठन में बड़ी जिम्मेदारी दे दी गयी है। बिहार के आगामी चुनावों में संभवतः वे कुछ ऐसे ही पूर्वाग्रही व विभाजनकारी बयान देते भी दिखाई दे सकते हैं।

इसी तरह पिछले दिनों देश का एक छद्म टी वी चौनल जो कई वर्षों से देश में सांप्रदायिक दुर्भावना फैलाने में सक्रिय है, अचानक उस समय सुर्ख़ियों में आ गया जबकि उसके स्वामी व संपादक ने संघ लोक सेवा आयोग के पारदर्शी तरीकों पर सवाल उठाया तथा समुदाय विशेष को अपमान जनक तरीके से निशाना बनाया। निश्चित रूप से देश की न्यायपालिका ने तो उसपर लगाम कसने का काम किया परन्तु पिछले दरवाजे से सरकार ने उसे बचने व उसके पक्ष में खड़े होने का अपना 'फ़र्ज़ ' निभाया। इसी वाद विवाद में पड़कर सुर्ख़ियों में आने के बाद आज उस टी वी चौनल की गिनती देश के प्रमुख टी वी चौनल्स में हो चुकी है। बदकिस्मती से देश की राजनीति में इस प्रकार के सैकड़ों ऐसे उदाहरण देखने को मिल जाएंगे जबकि नकारात्मकता ही योग्यता बन जाती है।

सीबीआई कोर्ट ने सही कहाएसब कुछ अचानक हुआ

अजय कुमार

सीबीआई की विशेष अदालत ने अपने फैसले में बिल्कुल सही कहा कि 06 दिसंबर 1992 को अयोध्या में विवादित ढांचा पूर्व नियोजित साजिश के तहत नहीं गिराया गया था। सब कुछ अचानक हुआ था। इसी आधार पर विवादित ढांचा विध्वंस मामलें में माननीय न्यायाधीश ने सभी 32 आरोपियों को बाइज्जत बरी कर दिया। कोर्ट के आदेश पर संदेह की गुंजाइश इस लिए नहीं है क्योंकि उस समय राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ;आरएसएस और ढ्डभारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व बिल्कुल भी यह नहीं चाहता था विवादित ढ़ांचा गिरे। तब की भाजपा अयोध्या विवाद को लम्बे समय तक जीवित रखना चाहती थीएताकि इस विवाद के सहारे वह हिन्दुत्व का कार्ड खुलकर खेल सके। यही वजह थी विवादित ढांचा गिराए जाने की घटना से भाजपा के दिग्गज नेता सन्न रह गए थे। मुसलमानों का तो कथित बाबरी मस्जिद ढहाए जाने पर गुस्सा स्वभाविक थाएलेकिन उदारवादी हिन्दुओं का बड़ा धड़ा भी इससे बिफर गया था। भाजपा और संघ मुंह दिखाने लायक नहीं रह गए थे। विवादित ढांचा गिराए जाने के मामले में लाल कृष्ण आडवाणीए मुरली मनोहर जोशी एउमा भारतीए तत्कालीन मुख्यमंत्री कल्याण सिंह जैसे कुछ दिग्गज नेताओं को सीबीआई ने भले आरोपी बनाया थाए परंतु उस समय के भाजपा के सबसे बड़े नेता अटल बिहारी वाजपेयी भी इस घटना से आहत बताए गए थे। अगर कांग्रेस नेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने यह बयान नहीं दिया होता कि बाबरी मस्जिद का दोबारा निर्माण कराया जाएगा। विवादित ढांचा गिरने के बाद मरणासन स्थिति में नजर आ रहे भाजपा नेताओं को नरसिम्ह राव ने नया जीवनदान दे दिया। भाजपा नेता बाहर निकल आए और राव के बहाने कांग्रेस की जर्बदस्त घेराबंदी कर दी। बताया जाता है कि 06 दिसंबर 1992 को जब अयोध्या में विवादित ढांचा गिराए जाने की खबरें आ रही थीं तब पीएम राव पूजा कर रहे थे। दोपहर 1 बजकर 40 मिनट पर बाबरी मस्जिद का पहला गुंबद गिराया जा चुका था। इसके 20 मिनट बाद करीब दो बजे तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के पास उस समय के केंद्रीय मंत्री और कद्दावर कांग्रेस नेता माखनलाल फोतेदार का फोन आया।फोतेदार ने नरसिम्हा राव से कहा एश्राव साहबए कुछ तो कीजिएण् क्या हम फैजाबाद में तैनात वायुसेना के चेतक हेलिकॉप्टर से कारसेवकों पर आंसू गैस के गोले नहीं दगवा सकते हैंघ् जवाब में नरसिम्हा राव ने सवाल कियाए ष्क्या मैं ऐसा कर सकता हूंघ्ष् फोतेदार ने विनती के स्वर में राव से कहाए श्राव साहबए कम.से.कम एक गुंबद तो बचा लीजिए। ताकि बाद में हम उसे एक शीशे के केबिन में रख सकें और भारत के लोगों को बता सकें कि बाबरी मस्जिद को बचाने की कांग्रेस ने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की थी। माखनलाल फोतेदार अपनी आत्मकथा ष्द चिनार लीव्सष् में लिखते हैं कि उनके इस सुझाव के जवाब में प्रधानमंत्री चुप रहेण् लंबे ठहराव के बाद उन्होंने बुझी हुई आवाज में कहाएष्फोतेदार जीए मैं थोड़ी देर में आपको फोन करता हूं। फोतेदार प्रधानमंत्री के रुख से काफी खफा थे। बाबरी मस्जिद का ढांचे गिरने के साथ राव पर आरोपों की झड़ी लग गई थी। बहरहालए 1992 में विवादित ढांचा गिरने के साथ ही देश की सियासत भी बदल गई। मुसलमानों ने कांग्रेस के नृेतत्व वाली नरसिम्ह राव की सरकार को विवादित ढांचा गिराये जाने की साजिश का हिस्सा मान लिया। इसके बाद कांग्रेस का मजबूत वोट बैंक समझे जाना वाले मुसलमान वोटरों ने यूपी में मुलायम सिंह यादव तो बिहार में लालू प्रसाद यादव की पार्टी का दामन थाम लिया। मुस्लिम वोट बैंक के सहारे मुलायम.लालू ने लम्बे समय तक सत्ता सुख उठाया तो कांग्रेस को यूपी.बिहार ही नहीं अन्य कई राज्यों में भी मुसलमानों की नाराजगी का शिकार होना पड़ा था। कांग्रेस हासिए पर चली गई और आज तक इससे उबर नहीं पाई है। वहीं भाजपा ने विवादित ढांचा गिराये जाने के बाद अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बनाये जाने का संकल्प और तेज कर दिया। अयोध्या विवाद के सहारे भारतीय जनता पार्टी आज की तारीख में 02 सीटों से 303 सीटों पर पहुंच चुकी है। बाबरी मस्जिद गिराए जाने के मुकदमें पर फैसला सुनाते समय सीबीआई की विशेष अदालत ने जो कुछ कहा वह कानूनी और सियासी रूप से काफी महत्वपूर्ण और आंख खोलने वाला है। 28 साल से चल रहे इस मुकदमे पर विशेष जज एसके यादव ने अपने कार्यकाल का अंतिम फैसला सुनाते हुए लालकृष्ण आडवाणीए डॉण् मुरली मनोहर जोशीए उमा भारतीए महंत नृत्य गोपाल दासए कल्याण सिंह समेत सभी आरोपितों को बरी कर दिया। विशेष जज ने कहा कि तस्वीरों से किसी को आरोपित नहीं ठहराया जा सकता है। अयोध्या विध्वंस पूर्व नियोजित नहीं था। घटना के प्रबल साक्ष्य नही हैं। सिर्फ तस्वीरों से किसी को दोषी नहीं कहा जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि सीबीआइ कोई निश्चयात्मक सुबूत नहीं पेश कर सकी। इस मामले के मुख्य आरोपितों में एक स्वण् अशोक सिंहल को कोर्ट ने यह कहते हुए क्लीन चिट दे दी कि वह तो खुद कारसेवकों को विध्वंस से रोक रहे थेए क्योंकि वहां भगवान की मूर्तियां रखी हुई थीं। 28 वर्षो तक चले मुकदमें का महज तीन मिनट में जज साहब ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अखबारों में छपी खबरों को प्रामाणिक सुबूत नहीं माना जा सकता क्योंकि उनके मूल नहीं पेश किए गए। फोटोज की निगेटिव नहीं प्रस्तुत किए गए और न ही वीडियो फुटेज साफ थे। कैसेटस को भी सील नहीं किया गया था। अभियोजन ने जो दलील दीए उनमें मेरिट नहीं थी। कोर्ट ने कहा कि विध्वंस के लिए कोई षडयंत्र नहीं किया गया। घटना पूर्व नियोजित नहीं थी। एलआईयू की रिपोर्ट थी कि छह दिसंबर 1992 को अनहोनी की आशंका है किंतु इसकी जांच नही कराई गई। अभियोजन पक्ष की तरफ से जो साक्ष्य पेश किए वो दोषपूर्ण थे। जिन लोगों ने ढांचा तोड़ा उनमें और आरोपियों के बीच किसी तरह का सीधा संबंध स्थापित नहीं हो सका। इस आधार पर कोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया। अयोध्या विध्वंस केस का निर्णय 2300 पेज का था। उक्त मामले में कुल 49 लोगों के खिलाफ मुकदमा चला थाए जिसमें से 17 की सुनवाई के दौरान मौत भी हो गई थी।

जिनको आरोपी बनाया गया था उसमें भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणीए मुरली मनोहर जोशीए कल्याण सिंहए उमा भारतीए विनय कटियारए साध्वी ऋतंभराए महंत नृत्य गोपाल दासए डॉण् राम विलास वेदांतीए चंपत रायए महंत धर्मदासए सतीश प्रधानए पवन कुमार पांडेयए लल्लू सिंहए प्रकाश शर्माए विजय बहादुर सिंहए संतोष दुबेए गांधी यादवए रामजी गुप्ताए ब्रज भूषण शरण सिंहए कमलेश त्रिपाठीए रामचंद्र खत्रीए जय भगवान गोयलए ओम प्रकाश पांडेयए अमर नाथ गोयलए जयभान सिंह पवैयाए साक्षी महाराजए विनय कुमार रायए नवीन भाई शुक्लाए आरएन श्रीवास्तवए आचार्य धमेंद्र देवए सुधीर कुमार कक्कड़ व धर्मेंद्र सिंह गुर्जर थे। खैरए बाबरी मस्जिद ढांचा विध्वंस मामले का फैसला आने के साथ ही प्रभु रामजन्म भूमि विवाद से जुड़े सभी मुकदमों का निस्तारण हो चुका है। बात जहां तक भाजपा की है तो वह कभी नहीं चाहती थी कि विवादित ढांचा गिरे।क्योंकि उसकी सियासत के लिए तो ढांचे का खड़ा रहना ज्यादा मुफीद था। बाबरी मस्जिद विवाद का निस्तारण होने के साथ ही अयोध्या में रामज्मभूमिध्बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर अब किसी कोर्ट में कोई मुकदमा पैडिंग नहीं रह गया है। राजनीतिः मुद्दा आतंकवाद की परिभाषा काभारत ने वर्ष 1996 में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक संधि को अपनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में एक प्रस्ताव रखा था, लेकिन अमेरिका, ओआइसी के सदस्य देशों और कुछ लैटिन अमेरिकी देशों के विरोध और मतभेद के चलते इस प्रस्ताव को अंगीकृत नहीं किया जा सका था। भारत में आतंकवाद को प्रतिस्पर्धी उद्योग के रूप में न पनपने देने के लिए ठोस रणनीति बनानी होगी।

ऊर्जा मंत्री ने कहा, गलत बिलिंग पर एजेंसी के खिलाफ दर्ज कराएं एफआइआर

लाइनलॉस हर हाल में 15 फीसद तक ले आने के निर्देश दिए

● थक-हारकर सभी को वापस जाना पड़ा। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले मोहद्दीपुर स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय के सामने धरने पर बैठे वीके चौधरी ने कहा कि बाढ़, बारिश, ठंड, गर्मी और यहां तक कि लॉकडाउन में भी जान हथेली पर रखकर बिजलीकर्मियों ने दिन-रात आपूर्ति को बरकरार रखा। हर मुश्किल परिस्थितियों में बिजलीकर्मियों ने अपने काम का लोहा मनवाया है लेकिन निगम व सरकार निजीकरण पर आमादा हैं।

● किसी भी हाल में निजीकरण नहीं होने दिया जाएगा। निजीकरण के खिलाफ बिजलीकर्मियों के आंदोलन को समर्थन देने के लिए विद्युत मजदूर संगठन ने मंगलवार से मुख्य अभियंता कार्यालय के सामने सत्याग्रह शुरू किया। इस दौरान अजय कुमार शाही, जगरनाथ यादव, अभिलेश श्रीवास्तव, सुरेंद्र सिंह, रामबचन आदि मौजूद रहे। बिजली निगम के इंजीनियरों ने मंगलवार को निगम से जुड़े सभी वाट्सएप ग्रुपों को छोड़ दिया।

गोरखपुर।
ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने गलत बिलिंग पर एजेंसी के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। कहा कि घर बैठे बिल बनाने की प्रवृत्ति नहीं चलेगी। उन्होंने लाइनलॉस हर हाल में 15 फीसद तक ले आने के निर्देश दिए। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये ऊर्जा मंत्री ने गोरखपुर व बस्ती मंडल में बिजली निगम के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने ट्रांसफॉर्मरों के लोड को एक समान न करने, जलने के कारणों की सही जानकारी न देने पर नाराजगी जताई। दीपावली से पहले सभी खंडों के अफसरों को ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। उन्होंने लापरवाही पर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निदेशक वाणिज्य ओपी दीक्षित को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। शाहपुर उपकेंद्र से जुड़ा खरैया फीडर बुधवार को सुबह 11 बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक बंद रहेगा। यह जानकारी नगरीय विद्युत वितरण खंड चतुर्थ राप्तीनगर के अधिशासी अभियंता मुदित तिवारी ने दी। बताया कि अशोक नगर, भोलाजीपुरम, घोष कंपाउंड, एचएन सिंह चौराहा, गोविंद नगरी, चतुर्वेदी हॉस्पिटल, पुराना पेट्रोल पंप, मेडिकल कॉलेज रोड, प्रगति विहार आदि इलाकों में चार घंटे बिजली नहीं रहेगी। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रस्तावित निजीकरण के खिलाफ बिजलीकर्मियों का आंदोलन अब उपभोक्ताओं पर भारी पड़ने लगा है। मंगलवार से बिजलीकर्मियों ने दोपहर बाद दो बजे से शाम पांच बजे तक धरना देना शुरू किया लेकिन कार्यालयों से सभी दोपहर 12 बजे तक निकल गए। अफसरों और कर्मचारियों के कार्यालय में न रहने के कारण उपभोक्ताओं को अपनी समस्याओं के लेकर भटकना पड़ा। थक-हारकर सभी को वापस जाना पड़ा। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले मोहद्दीपुर स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय के सामने धरने पर बैठे वीके चौधरी ने कहा कि बाढ़, बारिश, ठंड, गर्मी और यहां तक कि लॉकडाउन में भी जान हथेली पर रखकर बिजलीकर्मियों ने दिन-रात आपूर्ति को बरकरार रखा। हर मुश्किल परिस्थितियों में बिजलीकर्मियों ने अपने काम का लोहा मनवाया है लेकिन निगम व सरकार निजीकरण पर आमादा हैं। सभी बिजलीकर्मी एकजुट हैं। किसी भी हाल में निजीकरण नहीं होने दिया जाएगा। निजीकरण के खिलाफ बिजलीकर्मियों के आंदोलन को समर्थन देने के लिए विद्युत मजदूर संगठन ने मंगलवार से मुख्य अभियंता कार्यालय के सामने सत्याग्रह शुरू किया। इस दौरान अजय कुमार शाही, मनीष राय, विनोद कुमार श्रीवास्तव, शंभूशरण श्रीवास्तव, जगरनाथ यादव, अभिलेश श्रीवास्तव, सुरेंद्र सिंह, रामबचन आदि मौजूद रहे। बिजली निगम के इंजीनियरों ने मंगलवार को निगम से जुड़े सभी वाट्सएप ग्रुपों को छोड़ दिया। उनका कहना था कि निजीकरण का प्रस्ताव वापस लेने तक वह न तो किसी वीडियो कांफ्रेंसिंग में हिस्सा लेंगे और न ही किसी बैठक में जाएंगे।

उत्तर प्रदेश में 15 के बाद चरणबद्ध तरीके से खोले जा सकेंगे स्कूल व शैक्षणिक संस्थान

लखनऊ। कोरोना वायरस संक्रमण में केंद्रीय गृह मंत्रालय पर संस्तुति पर उत्तर प्रदेश सरकार ने भी अनलॉक के पांचवें चरण की गाइडलाइन जारी कर दी है। इसके तहत प्रदेश में 15 अक्टूबर के बाद से सभी स्कूल तथा शिक्षण संस्थान के खोले जाने की मंजूरी शामिल है। उत्तरप्रदेश के लिए शासन ने गुरुवार को अनलॉक के पांचवें चरण की गाइडलाइंस कर दी है। गृह मंत्रालय की एडवाइजरी के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार ने अनलॉक-5.0 के लिए आज अपनी नई गाइडलाइन की। जिसके तहत प्रदेश में सभी स्कूल और शैक्षणिक संस्थान 15 अक्टूबर के बाद चरणबद्ध तरीके से खोले जा सकेंगे। शासन ने निर्देश दिया है कि प्रदेश में स्कूल प्रबंधन अब जिला प्रशासन से विचार-विमर्श कर खोल स्कूल सकेंगे।
इसमें स्वैच्छिक रूप से क्लास में शामिल होने वाले बच्चों को अनुमति दी जा सकती है।

गिरने लगा तापमान, ठंड की ओर बढ़े मौसम के कदम

कानपुर। एंटी साइक्लोन बनने से संभावित बारिश पर ब्रेक जरूर लग गया लेकिन अब तापमान धीरे-धीरे नीचे जाने लगा है। मानसून वापसी की ओर है और मौसम के कदम ठंड की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि दिन का तापमान अभी गर्म ही है लेकिन रात में पारा गिरने से हवाएं ठंड का अहसास कराने लगी हैं। सितंबर माह की शुरुआत में बारिश हुई तो गर्मी से राहत मिलनी शुरू हुई थी। वहीं कुछ दिन बाद पारा चढ़ने और चटक धूप ने लोगों को बेहाल कर दिया था। कुछ दिन बाद बंगाल की खाड़ी तक आए नोल चक्रवर्ती तूफान से यूपी के मध्य भाग में बारिश की संभावना बनी और कानपुर समेत आसपास के क्षेत्र में बादल छाए रहे। बारिश शुरू हुई तो एंटी साइक्लोन की स्थिति बन गई। इससे बारिश पर ब्रेक लग गई लेकिन आसमान में बादलों का आना जाना लगा रहा। बारिश के आसार तो नहीं बने लेकिन अब पारा धीरे धीरे गिरना शुरू हो गया है, इससे मौसम के कदम ठंडक की ओर बढ़ रहे हैं।

लॉकडाउन से बेहाल हुए शॉपिंग मॉल, 70 फीसद कम हो गई मॉल आने वाले ग्राहकों की संख्या

गोरखपुर। कोरोना की वजह से जो सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है उसमें शॉपिंग मॉल और व्यवसायिक कॉप्लेक्स भी शामिल है। महामारी के बीच धीरे-धीरे जिदंगी की रफ्तार पटरी पर लौट रही है। सड़कों पर भीड़-भाड़ दिख रही है, लेकिन शॉपिंग मॉल में वो चहल-पहल नहीं दिख रही है जो 25 मार्च से पहले हुआ करती थी। दुकानदारों की माने तो जून का सीजन मॉल के लिए पीक समय होता है। वह बीत चुका है। ऐसे में अब अक्टूबर में जब त्योहारों की शुरुआत होने वाली होगी तभी कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। क्योंकि मॉल में कारोबार सिनेमा घरों पर निर्भर होताहै। यहां आने वाले लोगों की पहली प्राथमिकता मनोरंजन होता है। उसके बाद घूमने और खरीदारी का नंबर आता है। मॉल संचालकों की नजरें भी सिनेमा पर टिकी हुई है। दूसरी तरफ ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए तरह-तरह के ऑफर भी दिए जा रहे हैं।

गोरखपुर में शॉपिंग मॉल और व्यवसायिक कॉप्लेक्स की संख्या तेजी से बढ़ी है। पार्क रोड स्थित सिटी मॉल, सिनेमा रोड स्थित एडी मॉल और वीनस मल्टीप्लेक्स में सुबह से ही भीड़ जुटनी शुरू हो जाती थी। खासकर युवा वर्ग सुबह नौ बजे ही फिल्म देखने पहुंचा जाता है, लेकिन लॉकडाउ[illegible] के ब[illegible] से [illegible] मल्टीप्लेक्स बंद चल रहे हैं। इस कारण मॉल में आने वालों की संख्या करीब 70 फीसद तक कम हो गई है। वीकेंड (शनिवार व रविवार) पर बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ मॉल आते थे, लेकिन अब लोग परिवार के साथ आने से कतरा रहे हैं। इधर कुछ [illegible]नों [illegible] एडी मॉल के फू[illegible] को[illegible] मे खाने-पीने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। दुकानदारों का मानना है कि स्कूल-कॉलेज खुलने पर वहां आने वालों की संख्या दोगुनी हो जाएगी। इसी तरह सिटी मॉल में आने वाले अधिकांश लोग स्पेंसर से खरीदारी करने आते हैं। वहां रेडीमेड कपड़ों के कई बड़े ब्रांड के शोरूम होने के बावजूद ग्राहकों की संख्या कम नजर आती है। मोहद्?दीपुर स्थित ओरियन मॉल आने वालों की संख्या तेजी बढ़ रही है। मंगलवार को वहां 4042 लोग पहुंचे थे जबकि बीते रविवार को वहां आने वालों की संख्या तकरीबन पांच हजार थी। दुकानदार ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए न सिर्फ छूट दे रहे हैं बल्कि मॉल की ओर से गिफ्ट बाउचर भी दिया जा रहा है। पार्किंग भी फ्री कर दी गई है। आने वालों त्योहारों को देखते हुए पांच अक्टूबर से हर खरीद पर ग्राहकों को एक गिफ्ट हैंपर दिया जाएगा। म[illegible]टाप्ल[illegible] भल [illegible] हे[illegible] गए हैं लेकिन मॉल की सभी दुकानें खुली रहीं। हर जगह कोरोना से बचाव के लिए इंतजाम किए गए हैं। मोहद्दीपुर स्थित ओरियन मॉल में प्रवेश से पहले जांच के दौरान आने वाले लोगों को सैनिटाजेशन के लिए प्रेरित किया जा रहा था। सिटी मॉल एवं एडी मॉल के मुख्य द्वार पर सैनिटाइजेशन की व्यवस्था है। यहां प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की थर्मल सेंसर से जांच की जा रही है। इसके बाद एक रजिस्टर पर नाम, पता व मोबाइल नंबर दर्ज करने के बाद ही अंदर जाने दिया जा रहा है। बिना मॉस्क के आने वालों को गेट से ही वापस लौटा दिया जा रहा है। मॉल में कपड़े के शोरूम में ट्रायल रूप बंद है इसका असर बिक्री पर पड़ रहा है। कई दुकानदारों ने फिलहाल कपड़ों की वापसी पर भी रोक लगा रखा जिसके कारण लोग कपड़ा खरीदने से कतरा रहे हैं। कई दुकानों पर सुबह से शाम तक एक भी ग्राहक नहीं पहुंच रहे हैं।

opensearch

औरैया में दिल दहलाने वाली घटना, बेटी जन्मी तो तीन बच्चियों के साथ मां का शव फांसी पर लटका मिला

औरैया। दिबियापुर के सेहुद गांव में गुरुवार को दिल दहला देने वाली घटना हुई, बेटी के जन्म लेने पर एक मां और उसकी तीन बेटियों का शव एक ही फंदे से फांसी पर लटका मिला। एक ही फंदे पर मां और तीन मासूम बेटियों के शव लटके देखकर ग्रामीणों के दिल दहल गए। पुलिस ने महिला के पति और घरवालों से पूछताछ शुरू की है। एसपी ने गांव पहुंचकर ग्रामीणों से पूछताछ करके वजह जानने का प्रयास किया।
ग्रामीणों ने बताया कि कुलदीप सिंह मजदूरी करके परिवार का जीवन यापन करता है। उसका भाई व पिता दिबियापुर में रहते है और गांव में पत्नी साधना व बच्चों के साथ रहता है। कुलदीप को दो पुत्रियां सात साल की गुंजन और 8 साल की अंजुम है। 15 दिन पहले साधना ने तीसरी बेटी को जन्म दिया तो घर में कलह शुरू हो गई थी। गुरुवार की सुबह कुलदीप मजदूरी करने के लिए निकल गया।
इसके बाद काफी देर तक साधना और उसकी बच्चियों को बाहर न देखकर पड़ोस की महिलाओं को संदेह हुआ। पड़ोसी ग्रामीणों ने खिड़की से अंदर देखा तो तीन बच्चियों के साथ एक ही साड़ी के फंदे से साधना को फांसी पर लटका देखकर दिल दहल गए। गांव वालों ने नजारा देखा तो शोर मचाया। सूचना पर एसपी सुनीति ने गांव पहुंचकर ग्रामीणों से पूछताछ की। पुलिस ने कुलदीप को हिरासत में लिया। पुलिस को शक है कि कहीं पति ने हत्या करके शव फांसी पर तो नहीं लटकाए हैं। एसपी सुनीति का कहना है मामले की जांच की जा रही है, जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा- नए कृषि कानून पर किसानों को गुमराह कर रहा विपक्ष

गोरखपुर। यूपी के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा है कि नया कृषि कानून केंद्र सरकार का साहसिक और ऐतिहासिक कदम है। इससे किसानों के जीवन स्तर में क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा। इससे उनका जीवन स्तर बेहतर होगा। विपक्षी दल किसानों को गुमराह कर उन्हें भड़का रहे हैं। विपक्षी नेता इस कानून के विरोध में जो दलीलें दे रहे हैं, वह तथ्यहीन, झूठ और कल्पनाओं पर आधारित है। एनेक्सी भवन में गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि अपने शासनकाल में कांग्रेस सरकार ने किसानों की खुशहाली के लिए कभी कुछ नहीं किया। जिसकी वजह से किसान गरीब होता चला गया और आत्महत्या करने के लिए मजबूर होता रहा। यूपीए के 10 साल के शासन में सिर्फ महाराष्ट्र में 68 हजार किसानों को आत्महत्या करना पड़ा। केंद्र सरकार ने नया कृषि कानून बनाकर किसानों को बेड़ियों से मुक्त कर दिया है। उन्हें अब अपनी उपज सिर्फ मंडी में ही बेचने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। यह कानून उन्हें बड़ा बाजार उपलब्ध कराएगा। अब किसान अपनी उपज देश में कहीं भी बेच सकेगा। अपनी उपज के मूल्य को लेकर सौदेबाजी कर सकेगा और अधिक लाभ अर्जित कर सकेगा। विपक्षी दल यह अफवाह फैला रहे हैं कि किसान का खेत पूंजीपतियों का हो जाएगा। जबकि नए कानून में इस बात का स्पष्ट तौर पर उल्लेख किया गया है कि करार जमीन का नहीं उपज का होगा। किसान जिस चीज की खेती करना चाहेगा, उसकी खेती कर सकेगा। खेती में तकनीक का प्रयोग बढ़ेगा। अच्छे बीज उपलब्ध होंगे। उपज की बड़े पैमाने पर ब्राडिंग होगी। इससे निर्यात बढ़ेगा। जिसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि 2019 के चुनाव में कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में मंडी अधिनियम में संशोधन का वादा किया था। केंद्र सरकार ने इसमें बदलाव कर दिया तो अब वही पार्टी उसके सहयोगी दल इसका विरोध कर रही है और किसानों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं।

पीड़िता की पोस्टमॉर्टम तथा फोरेंसिक रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं, पिटाई से मौत : प्रशांत कुमार

लखनऊ। हाथरस के बूलगढ़ी गांव की गुड़िया की मौत का कारण 14 सितंबर को उसके साथ हुई बर्बरतापूर्वक मारपीट है। दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद फोरेंसिंक लैब की रिपोर्ट से भी इसकी पुष्टि हो गई है कि उसके साथ दुष्कर्म या सामूहिक दुष्कर्म नहीं हुआ था। हाथरस की पीड़िता की दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज चला जहां पर उसकी मौत हुई थी। वहां से गुरुवार को जारी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म का जिक्र नहीं है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता की गर्दन पर चोट के निशान हैं और रीढ़ की हड्डियां भी टूटी हुई हैं। पीड़िता को ब्लड इन्फेक्शन और हार्ट अटैक भी आया था। रिपोर्ट के मुताबिक. मौत का वक्त 29 सितंबर सुबह 6 बज कर 55 मिनट बताया जा रहा है। इस मामले में पीड़िता की फोरेंसिक साइस लैब की रिपोर्ट आ गई है। इसमें भी उसके साथ दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है। उत्तर प्रदेश के एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि हाथरस मामले में फोरेंसिक रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है। हमको पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद इसी रिपोर्ट का इंतजार था। आगरा में विधि विज्ञान प्रयोगशाला में जांच रिपोर्ट आने एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने कहा कि मामले को अनावश्यक तूल देकर माहौल खराब करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एडीजी प्रशांत कुमार ने कहा कि हाथरस की इस घटना में कुछ लोगों ने जातीय संघर्ष कराने का प्रयास किया गया है। अब उन्हें चिह्नित कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म या फिर सामूहिक दुष्कर्म का जिक्र नहीं है। पीड़िता की रीढ़ की हड्डी पर चोट लगी है। पीड़िता की गर्दन पर भी चोट लगी है। पीड़िता को हार्ट अटैक आया था। इसके साथ पीड़िता को ब्लड इन्फेक्शन हुआ था। इसके बाद 29 सितंबर सुबह 6~55 बजे मौत हो गई। हाथरस कांड को लेकर यूपी सरकार बैकफुट पर गई है। इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुधवार को चर्चा की थी जिसके बाद प्रदेश सरकार ने तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया जो कि मामले की जांच कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कॉल के जरिए बुधवार रात लड़की के पिता से बात की और हरसंभव परिवार की मदद का भरोसा दिलाया। मृतका के परिवार के एक सदस्य को कनिष्ठ सहायक के पद पर नौकरी दी जाएगी। परिवार को 25 लाख रुपये की मदद के साथ ही हाथरस शहर में एक मकान भी दिया जाएगा। गौरतलब है 14 सितंबर को हाथरस के चंदपा थाना क्षेत्र के एक गांव में 19 वर्षीय लड़की के साथ क्रूरता की गई।

योजना से कतर्निया में बढ़ेगा इको टूरिज्म, वनवासियों के जीवन में भी आएगी खुशहाली

बहराइच। घना वन और स्वच्छ जलराशि से भरी नदियों, मनोहारी वन्यजीवों व पक्षियों से गुंजायमान कतर्निया जंगल जैव विविधता के मामले में प्रदेश में अव्वल है। ऐसे में इको टूरिज्म को बढ़ावा देकर वनवासियों के जीवन में खुशहाली लाने की मुहिम छेड़ी जाएगी। इसके लिए आगामी सत्र में होम स्टे योजना को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है। इसके साथ ही बोटिंग व जंगल सफारी को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि पर्यटक दुर्लभ वन्यजीवों, पक्षियों, पेड़-पौधों के दीदार करने के साथ ही स्थानीय संस्कृति से भी अवगत हो सकें। हिमालय की तलहटी में आबाद कतर्निया वन्यजीव प्रभाग केवल बाघ के लिए ही नहीं अब हाथी, गैंडा, तेंदुआ, चीतल, अजगर के साथ ही सैकड़ों प्रजातियों के पक्षी भी विचरण करते हैं। यहां औषधीय पौधों की भी भरमार है। यही कारण है कि वन्यजीव प्रेमी कतर्निया जंगल के दीदार को लालायित रहते हैं। इन पर्यटकों को जंगल के आसपास के गांवों में ठहरने के लिए होम स्टे योजना बनाई गई है। यहां आने वाले पर्यटकों को गेरुई नदी में सुलभ बोटिंग को और भी आकर्षक बनाया जाएगा। इसके साथ सैलानियों को जंगल सफारी का लुत्फ उठाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रभागीय वनाधिकारी जीपी सिंह का कहना है कि होम स्टे योजना को बढ़ावा देने के लिए जिलाधिकारी शंभु कुमार की अध्यक्षता में समिति गठित है। समिति में क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अयोध्या, पुलिस अधीक्षक एवं प्रभागीय वनाधिकारी शामिल हैं। इस योजना के तहत अब तक कारीकोट एवं बरखड़िया के एक-एक गृह स्वामियों ने रजिस्ट्रेशन करा रखा है। यहां पर्यटकों के लिए आवास के साथ भोजन की सुविधा सुलभ है। उम्मीद जताई जा रही है कि पर्यटन का नया सत्र शुरू होने पर यह संख्या बढ़ेगी। जिलाधिकारी शुभ कुमार ने बताया कि होम स्टे योजना से पर्यटक स्थानीय संस्कृति एवं खानपान से भी परिचित हो सकेंगे। उन्हें सस्ता पर्यटन सुलभ होगा।

जलजमाव से परेशान नागरिकों ने किया प्रदर्शन

गोपीगंज। नगर पालिका गोपीगंज के वार्ड संख्या दो में पानी निकासी के लिए नाली तो बनवाया गया लेकिन निकासी का कोई रास्ता नहीं बनाया। इससे ओवरफ्लो होकर बह रहे पानी से नागरिकों का जीवन नारकीय हो गया है। गुरुवार को नागरिकों ने मोहल्ले में जमा होकर प्रदर्शन किया। समस्या निस्तारण की मांग उठाई। नागरिकों ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के इस दौर में एक ओर जहां सरकार साफ-सफाई पर जोर दे रही है। सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है वहीं पालिका की उदासीनता से वार्ड में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ रहा है। ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन के सामने स्थित वार्ड दो पूरेभिखारी में नाली तो बना लेकिन पानी कहां बहकर जाएगा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। कहा कि अब नाली का पानी लोगों के दरवाजे पर फैल रहा है।

निर्भया की वकील सीमा को पीड़िता के गांव जाने से रोका गया, बोलीं-मुझे पेट्रोल डालकर जला दो

हाथरस। बर्बरपूर्वक पिटाई से हाथरस के चंदपा के गांव बूलगढ़ी की गुड़िया (काल्पनिक नाम) की 15वें दिन मौत के बाद अब राजनीति चरम पर है। विख्यात निर्भया केस में दोषियों को सजा दिलाने वाली सुप्रीम कोर्ट की वकील सीमा कुशवाहा ने गुड़िया का केस लड़ने के साथ ही दोषियों को सजा दिलाने की ठान ली है। हाथरस में धारा 144 लागू होने के साथ ही जिले की सीमा तथा पीड़िता का गांव सील होने से सीमा कुशवाहा को पीड़िता के गांव नहीं जाने दिया गया। इससे वह नाराज हो गई और बोलीं कि मुझे बेटी के स्वजनों से मिलने दो नही जा रहा है तो मुझे भी पेट्रोल डालकर जिंदा जला दो। हाथरस में दबंगों की बर्बरतापूर्वक पिटाई के बाद मृत गुड़िया को इंसाफ दिलाने की जिम्मेदारी सुप्रीम कोर्ट की मशहूर वकील सीमा समृद्धि ने ली है। सीमा अब हाथरस दुष्कर्म कांड मामले में केस लड़ेंगी, वह भी बिना फीस लिए। इसके लिए वह आज हाथरस जाकर दुष्कर्म कांड के पीड़ित परिवार से भी मुलाकात करने के इरादे से पहुंची थीं। सीमा समृद्धि ने निर्भया केस भी लड़ा था और अंत में चारों दरिंदों (मुकेश सिंह, अक्षय सिंह ठाकुर, पवन कुमार गुप्ता और विनय कुमार शर्मा) को 20 मार्च को फांसी दिलाई थी। दिल्ली के निर्भया कांड में सीमा समृद्धि के प्रयासों के चलते ही चारों दोषियों को फांसी मिल सकी था, ऐसे में यदि वो इस मामले को हाथ में लेती हैं, तो हाथरस पीड़िता को न्याय मिलने की उम्मीद बढ़ जाएगी। सीमा समृद्धि बिना कोई फीस लिए हाथरस दुष्कर्म कांड मामले का केस लड़ेंगी।सीमा कुशवाहा ने हाथरस केस लड़ने की इच्छा जताई है। गौरतलब है कि 14 सितंबर को हाथरस के एक गांव में 19 वर्ष की एक दलित लड़की की मौत के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। परिवार वालों का आरोप है कि दरिंदों ने पीड़िता की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी थी और उसकी जीभ भी काट दी थी। पीड़िता ने मंगलवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था।

इसके लिए वह आज हाथरस जाकर दुष्कर्म कांड के पीड़ित परिवार से भी मुलाकात करने के इरादे से पहुंची थीं। सीमा समृद्धि ने निर्भया केस भी लड़ा था और अंत में चारों दरिंदों (मुकेश सिंह, अक्षय सिंह ठाकुर, पवन कुमार गुप्ता और विनय कुमार शर्मा) को 20 मार्च को फांसी दिलाई थी।

भदोही में दुष्कर्म की कोशिश का विरोध किया तो पीटकर किशोरी को मार डाला

भदोही। औराई थाना क्षेत्र के एक गांव में एक किशोरी की इज्जत पर हाथ डाला गया और दुष्कर्म की कोशिश की गई। वहीं किशोरी ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे पीट पीटकर मार डाला।
घटना गुरुवार को दोपहर दो बजे की है। किशोरी सड़क पर निकली थी, जहां उसे खींच लिया गया। जब वह काफी देर तक घर नहीं लौटी तो उसकी तलाश परिजनों ने शुरू की तो किशोरी लहूलुहान हालत में मिली। वहीं सूचना मिलने के बाद मामले की जांच पुलिस ने शुरू कर दी। वहीं आरोपी वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गये, पुलिस के अनुसार किशोरी के सिर पर चोट आई है, संभवतः हेड इंजरी की वजह से मौत हुई है। गुरुवार को दोपहर में किशोरी जब काफी देर तक घर नहीं लौटी तो परिजन परेशान होकर उसे खोजने निकले। पूछताछ करके किशोरी जिस ओर गई थी उधर तलाश की गई तो वहां परिजनों ने किशोरी को गंभीर हाल में देखा तो आनन फानन पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी तो पुलिस ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर आरोपितों को चिन्हित करने की कोशिश की।
हालांकि शाम तक आरोपितों के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी थी। एक ओर हाथरस में युवती संग सामूहिक दुष्?कर्म करने और हत्?या का मामला सामने आने के बाद से ही कानून व्?यवस्?था को लेकर चुनौती बनी हुई है तो दूसरी ओर भदोही जिले में यह मामला कहीं तूल न पकड़ ले लिहाजा पुलिस प्रशासन भी सक्रियता से आरोपितों को चिन्हित करने में लगा हुआ है। पुलिस की टीमों का गठन कर हत्यारों को सामने लाने के निर्देश दे दिए गए हैं। पुलिस प्रशासन के अनुसार कुछ अहम सुराग मिलने के बाद पुलिस सक्रियता से लगी है, उम्मीद है कि जल्द ही हत्यारे कानूनी शिकंजे में होंगे।

वेब सीरिज देख कर दी 2 युवकों की हत्या, पुलिस ने एक हजार संदिग्धों से पूछताछ के बाद पकड़ा हत्यारा

हिसार। सिरसा रोड पर पुरानी चुंगी के पास गोयल ब्रदर्स पेट्रोल पंप पर तीन कर्मियों पर हथौड़े से हमला करने वाले आरोपित युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हमलावर शहर के नजदीकी गांव का ही 28 वर्षीय युवक है। मंगलवार को एसपी बलवान सिंह राणा ने प्रेस वार्ता कर आरोपित के पकड़े जाने की सूचना दी। हालांकि अभी आरोपित का नाम और पता सार्वजनिक नहीं किया गया है। आरोपित ने इससे पहले बगला रोड स्थित शुभम फिलिंग स्टेशन पर पर 27 अगस्त को सोए हुए दो कर्मचारियों पर भी हमला किया था। उस दौरान भी आरोपित ने रात 2.30 से 3 बजे के बीच वारदात को अंजाम दिया था। आरोपित ने यह दोनों वारदात अपनी नशे की लत को पूरा करने के लिए की थी। आरोपित ने वेब सीरीज, साउथ मूवी और सीआइडी सीरियल देखकर दोनों वारदात के लिए आइडिया लिया था। पुलिस ने आरोपित से पूछताछ के लिए 150 प्रश्नावली तैयार की थी। इन सवालों के जवाब उससे मांगे तो उसने वारदात को कबूल कर लिया। आरोपित युवक सिर्फ 12वीं पास है।

यह था मामला

पिछले सप्ताह वीरवार रात 2.30 बजे गोयल ब्रदर्स पेट्रोल पंप पर हमलावर ने तीन कर्मियों पर हथौड़े से वार किए थे। जिसमें पंप मैनेजर राजस्थान के नागौर जिला के गांव झरडिया निवासी 48 वर्षीय हनुमान की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं पेट्रोल पंप पर प्रदूषण जांच केंद्र में ऑपरेटर उतर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के गांव बेलखरा अहरीर निवासी 24 वर्षीय बृजेश व राजस्थान के चूरू जिले के साखु गांव निवासी 31 वर्षीय सेल्समैन घनश्याम गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को शहर के चूड़ामणि अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां रविवार सुबह 7.30 बजे के करीब उपचार के दौरान बृजेश ने भी दम तोड़ दिया था। वहीं घनश्याम का उपचार चल रहा है।

करीब एक हजार लोगों से की थी पूछताछ

एसपी बलवान ङ्क्षसह राणा ने बताया कि सामान्य जांच में आरोपित का पता नहीं लग पाया था। इसलिए नारकोटिक्स से जानकारी लेकर आरोपित को पकडने में सफलता मिली। जिले के करीब एक हजार संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई। पूछताछ आखिर में तीन लोगों की पहचान शक के आधार पर की गई। इनमें से दो को तो पकड़ा गया, लेकिन आरोपित बचता रहा। सूचना पाकर पुलिस ने घर से आरोपित को गिरफ्तार किया। एसपी ने कहा कि पेट्रोल पंपों पर सुरक्षा के मद्देनजर हर पंप के पास हर 30 मिनट में पुलिस की गाड़ी राउंड लगाएगी। पंप एसोसिएशन से बैठक भी की जाएगी और उन्हें निर्देश दिया जाएगा कि पंप पर दो कर्मचारी बारी-बारी से रात भर जागकर पहरा दें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

जेल में पड़ी स्मैक पीने की आदत

आरोपित पहले सुल्फा पीता था। फिर चूरापोस्त के मामले में तीन वर्ष जेल में रहा। जेल में उसे स्मैक पीने की आदत हो गई। जेल से आने के बाद उसकी शादी हुई। लेकिन स्मैक के नशे के लिए उसने घर का सामान भी बेच दिया था। आरोपित के दिवंगत पिता एक सरकारी विभाग में नौकरी पर थे। उसकी माता को जो पेंशन मिलती, वह झगड़ा कर उसे भी नशे की पूर्ति के लिए छीन लेता था।

नहरी पानी चोरी में भी मामला दर्ज

आरोपित शहर थाना में दिसंबर 2011 को दर्ज एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में भी जमानत पर रिहा है। वहीं नहरी पानी चोरी मामले में भी आरोपित के खिलाफ सदर थाना में मामला दर्ज है। आरोपित को बुधवार को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा और वारदात में इस्तेमाल हथौड़ी बरामद की जाएगी।

15 से 20 दिन रेकी कर दिया था दोनों घटनाओं को अंजाम

आरोपित से पूछताछ में सामने आया कि दोनों वारदातों के लिए दोनों पेट्रोल पंप के आसपास शराब ठेका, ग्रोसरी शॉप, रिलायंस पेट्रोल पंप पर 15 से 20 दिन रेकी की। रोज अलग-अलग समय में पेट्रोल डलवाने के लिए कभी किसी की तो कभी किसी की बाइक लेकर गया। इस दौरान वह पंप पर कर्मियों की संख्या को ध्यान में रखा। उसने नोटिस किया कि रात को दो से तीन कर्मचारी ही होते हैं। इसलिए घटना को अंजाम देने के लिए रात 2 से 3 बजे का समय चुना। बगला रोड स्थित पेट्रोल पंप पर वारदात में उसने जेनरेटर के हैंडल से कर्मियों पर वार किए थे। आरोपित ने बताया कि जनरेटर के हैंडल से चोट मारने पर दोबारा होश में आने के चांस रहते हैं। इसलिए उसने इस हमले के लिए हथौड़े का प्रयोग किया। वह अपने छोटे भाई जो बिजली का काम करता है, उसका हथौड़ा निकालकर ले गया था।

पंप मैनेजर घटना से 15 मिनट पहले आया था कमरे से बाहर

आरोपित ने बताया गोयल ब्रदर्स पेट्रोल पंप के सामने आरोपित 10 मिनट तक रेकी करता रहा। उस दौरान पंप पर राजस्थान निवासी हनुमान अपने कमरे से बाहर आया था, 10 मिनट बाद वापस कमरे में चला गया। उस दौरान एक बाइक वाला वहां से गुजरा। बाइक देखकर वह रुक गया था। 15 मिनट बीतने पर उसने पहले हनुमान के कमरे में जाकर उसके सिर पर हथौड़े से वार किया। वार करने के बाद हनुमान की जेबें टटोलीं तो कुछ नहीं मिला। इसके बाद बाहर आकर बृजेश और घनश्याम के सिर पर वार किया। घनश्याम और बृजेश की जेब से उसे 6900 रुपये मिले। इनमें ज्यादातर 500-500 रुपये के नोट थे। वहीं पोस्मार्टम के दौरान हनुमान की पेंट की अंदर वाली जेब से पुलिस को 13,500 हजार रुपये बरामद हुए थे। जो आरोपित की नजर में नहीं आए थे।

अंदर वाले कमरे में सो रहे कर्मी का भी पता था

आरोपित ने बताया उसे पंप में पीछे वाले कमरे में सो रहे कर्मी का पता था। उसे पता था कि उसके पास पेट्रोल की सेल की नकदी होगी, लेकिन वह कमरा लॉक था। चेनलॉक वाला गेट होने पर वह उसे खोलने में असमर्थ था, इसलिए उस कमरे में नहीं गया। दोनों वारदातों को अंजाम देने के लिए वह हाइवे पर बने कई ठेकों, ढाबों व पेट्रोल पंप की करीब 20 दिन से रेकी की थी। उसे पता था कि हाइवे पर बचकर निकल सकता है। दोनों वारदात को अंजाम देने के बाद वह अपने घर गया था।

हमला करने के लिए अलग से खरीदे थे कपड़े

आरोपित ने पूछताछ में बताया कि उसे पता था कि अगर रोजाना पहनने वाले कपड़ों में वारदात को अंजाम देगा तो वह पकड़ा जाएगा। इसलिए उसने मार्केट से ऐसे कपड़े खरीदे, जिन्हें धोने के बाद खून के दाग बिल्कुल साफ हो जाते हैं, ताकि वह साफ बच निकले। आरोपित ने बताया कि वह हर रोज 200 से 300 रुपये का नशा करता है। पिछली वारदात के बाद रुपये खत्म होने पर उसने इस वारदात को अंजाम दिया था। आगे उसने गांव न्योली व काबरेल स्थित पेट्रोल पंप पर वारदात को अंजाम देना था। वह वेब सीरीज देखकर जान गया था कि सीसीटीवी कैमरे से किस तरह बचना है। उसी के तहत उसने मुंह व सिर पर परना बहुत अच्छे तरीके से बांधा था। अगर कोई हाथापाई भी करता तो यह परना हटता नहीं।

आरोपित को पकडने के लिए कई लोगों से पूछताछ की गई। एसआइटी गठित की गई थी। उसे सांटिफिक तरीके से पकड़ा गया है। उससे पूछताछ के लिए एक प्रश्नावली तैयार की गई थी।

बलवान ङ्क्षसह राणा, एसपी, हिसार।

रीजनल सेंटर ने जारी की पहली कटआफ लिस्ट

कोसली। गांव कृष्णनगर स्थित रीजनल सेंटर ने बीए, बीएससी नॉन मेडिकल, बीकॉम ऑनर्स कोर्स की प्रथम कटआफ लिस्ट जारी कर दी है। बीए में आल इंडिया ओपन 89, हरियाणा जनरल ओपन 84, एससी 77.20, नेटिव आफ लूलाअहीर 76.40, बीएससी नान मेडिकल में आल इंडिया ओपन 88.80, हरियाणा जनरल ओपन 80.20 व एससी 60.40, नेटिव आफ लूलाअहीर 65.20, बीसी-ए 58, बीसी-बी 77.20 प्रतिशत, इबीपी, फिजीकल हैंडीकैप व एक्स सर्विसमैन रिक्त रहे। बीकाम आनर्स में आल इंडिया ओपन 85, हरियाणा जनरल ओपन 60.60 प्रतिशत रहे। भगतफूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. डा. सुषमा यादव ने बताया कि इस बार पिछले वर्षो के मुकाबले अधिक आवेदन आने से उच्च प्रतिशत लेने वाली छात्राओं का दाखिला हो रहा है। रीजनल सेंटर की निदेशक डा. सुषमा जोशी ने बताया कि प्रथम कट आफ लिस्ट 30 सितंबर, द्वितीय 5 अक्टूबर, तृतीय 9 अक्टूबर व चतुर्थ 13 अक्टूबर को लगाई जाएगी।

भाजपा सरकार में सीपीएस रह चुके पूर्व विधायक श्याम सिंह राणा ने दिया पार्टी से इस्तीफा

यमुनानगर। भाजपा की सरकार में सीपीएस रहे व रादौर से पूर्व विधायक श्याम सिंह राणा ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। रादौर में उनके निवास स्थान पर हुई पत्रकारवार्ता में उन्होंने भाजपा छोड़ने की घोषणा की और भाजपा के सभी पदों से अपना त्यागपत्र प्रदेशाध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ को भेज दिया है। उनका कहना है कि जल्दी ही विचार-विमर्श कर किसी अन्य दल में शामिल होने की घोषणा की जाएगी। फिलहाल उन्होंने किसानों की अनदेखी का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा व पंजाब का किसान सड़कों पर है। धान की खरीद का कोई इंतजाम नहीं हो पा रहा है। तीन कृषि कानूनों में भी संशोधन की जरूरत है। मैं पहले किसान हूं। उसके बाद नेता हूं। श्याम सिंह राणा ने कहा कि जो भी राजनैतिक दल किसान हित की बात करेगा। वह उसका समर्थन करेंगे। बता दें कि 2019 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की ओर से इनको टिकेट न देकर पूर्व राज्य मंत्री कर्ण देव कांबोज को प्रत्याशी बनाया था। पार्टी के इस निर्णय से राणा आहत हुए थे। इन्होंने विरोध भी जाहिर किया था। इस दौरान काफी चर्चाओं में रहे और राजनीतिक गतिविधियों में भी इनकी सहभागिता कम ही दिखाई दी।

1982 में लड़ा पहला चुनाव

श्याम सिंह राणा ने वर्ष 1982 के विधानसभा चुनाव में पेहवा से जनता पार्टी की टिकट पर विधायक का चुनाव लड़ा। मगर वह चंद मतों से हार गए। इसके बाद उन्होंने हार नहीं मानी और जनता पार्टी की टिकट पर 1987 में फिर पेहवा से विधायक का चुनाव लड़ा। मगर इस बार भी वह पराजित हो गए। इसके बाद श्याम सिंह राणा ने वर्ष 1991 में कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी की टिकट पर सांसद का चुनाव लड़ा। मगर उन्हें इस बार भी हार का ही मुंह देखना पड़ा।

वर्ष 1996 में श्याम सिंह राणा को समाजवादी पार्टी ने करनाल लोकसभा सीट से चुनाव लड़वाया। मगर उन्हे सफलता नहीं मिली। वर्ष 1998 में फिर समाजवादी पार्टी ने श्याम सिंह राणा को कुरूक्षेत्र लोकसभा सीट पर सांसद के उपचुनाव के लिए चुनाव लड़वाया।

वर्ष 2007 में भाजपा में हुए शामिल

श्याम सिंह राणा 20 जून 2007 को भाजपा में शामिल हो गए और उन्हें यमुनानगर जिले का अध्यक्ष बनाया गया। इसी बीच उन्हें वर्ष 2009 में रादौर विधानसभा सीट से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़वाया गया। मगर इस चुनाव में श्याम सिंह राणा फिर हार गए। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने एक बार फिर भाजपा की टिकट पर रादौर विधानसभा सीट पर अपना भाग्य आजमाया और भारी मतों से जीत दर्ज की।

एथलीट भी रह चुके राणा

वर्ष 1975 में देश में आपातकाल लागू हो गया। इसी बीच आपातकाल से लड़ने के लिए सभी दल जनता पार्टी के झंडे के नीचे एकत्र हो गए और संघर्ष करने लगे। इस संघर्ष में श्याम सिंह राणा भी कूद गए और उन्होंने जनता पार्टी ज्वाइन कर ली। 1970 व 1971 में लगातार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में बेस्ट एथलीट रहे।

हिसार में कोरोना का प्रकोप जारी, फिर एक दिन में हुई चार लोगों की मौत, 142 नए केस

हिसार। हिसार में कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। जिले में बुधवार को कोरोना के 142 मामले मिले। वहीं 89 मरीज स्वस्थ हुए। जबकि चार मरीजों की उपचार के दौरान मौत हो गई। जिले में अब कोरोना के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 6187 हो गई है। वहीं जिले में एक्टिव कोरोना मरीज 1250 हैं। 4877 लोगों के स्वस्थ होने पर रिकवरी रेट 78.50 पर है। वहीं 60 लोगों की कोरोना संक्रमित होने पर मौत हो चुकी है। जिले में बुधवार को कोरोना के मामलों में सीसवाल में केनरा बैंक में कर्मचारी, भाखड़ा सर्विस केनल कालोनी में सुपरिंटेंडेंट, अग्रोहा मेडिकल में एमबीबीएस इंटर्न, हिसार कैंट में सेनाकर्मी, डोगरान मुहल्ला में टी-स्टाल संचालक, कबीर चौक निवासी रिक्शा चालक, सेंट्रल जेल दो में 10 कैदी, सतीजा अस्पताल में सफाईकर्मी, कंप्यूटर ऑपरेटर, ओटी इंचार्ज सहित 8 लोग पॉजिटिव मिले। वहीं डीएन कालेज हॉस्टल सुपङ्क्षरटेंडेंट, जीजेयू में इंजीनियर, अग्रोहा मेडिकल में डेंटल सर्जन, ईएमटी, बास अकबरपुर में फार्मासिस्ट और फल विक्रेता, एमपीएचडब्ल्यू कर्मचारी सहित करीब 10 टीचर व करीब 15 गृहिणी पॉजिटिव मिली। इंद्रप्रस्थ कालोनी निवासी कोरोना पॉजिटिव 60 वर्षीय वृद्ध की उपचार के दौरान मौत हो गई। वृद्ध को 16 सितंबर को गुरुग्राम के फोर्टिस अस्पताल में दाखिल करवाया गया था। मरीज को निमोनिया सहित कई बीमारियों के चलते अस्पताल में दाखिल करवाया गया था। वहीं हांसी के अकबरपुर निवासी कोरोना पॉजिटिव 62 वर्षीय वृद्ध की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। अग्रोहा मेडिकल में 29 सितंबर को दाखिल किया गया था। 30 सितंबर को उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं आजाद नगर निवासी 58 वर्षीय अधेड़ की 28 सितंबर की रात मौत हो गई। मरीज की आरटीपीसीआर टेस्ट निगेटिव थी। लेकिन एंटीजन टेस्ट में वह पॉजिटिव मिला था। जिसके बाद निजी अस्पताल में दाखिल किया गया था। वहीं कोरोना संक्रमित होने के चलते देर शाम एक 72 वर्षीय बुजुर्ग की भी मौत हो गई। हालांकि पोर्टल पर दो ही मौत अपडेट की गई है।

जड़थल से एटीएम उखाड़ ले गए बदमाश

रेवाड़ी। गांव जड़थल में एक बार फिर एटीएम चोरों ने अपनी सक्रियता दिखाते हुए वारदात को अंजाम दिया है। चोर गांव जड़थल में एक निजी कंपनी द्वारा लगाई गई एटीएम उखाड़ ले गए। एटीएम में करीब 82 हजार रुपये की नकदी बताई जा रही है। एटीएम पर सुरक्षाकर्मी की नियुक्ति नहीं थी। मंगलवार की सुबह चोरी का पता लगने के बाद पुलिस को शिकायत दी गई। कसौला थाना पुलिस मामले की जांच रही है। एक निजी कंपनी की ओर से गांव जड़थल में एटीएम लगाई हुई है। कंपनी की ओर से प्रतिदिन सुबह एटीएम में राशि डाली जाती है तथा रात को शटर बंद करने से पहले सभी मशीनों से बची हुई राशि निकाल ली जाती है। सोमवार की शाम को गांव जड़थल में लगाई गई मशीन में भी राशि डाली गई थी, परंतु शाम को कर्मचारी बची हुई 82 हजार रुपये नकदी निकाल नहीं पाए। रात को चोरों ने शटर का ताला तोड़ कर एटीएम उखाड़ ली। चोर 82 हजार की नकदी से भरी एटीएम अपने साथ ले गए। सुबह ग्रामीणों ने शटर खुला व बूथ में तोड़फोड़ देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस एटीएम के आसपास स्थित प्रतिष्ठानों के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है ताकि बदमाशों के बारे में कोई सुराग हाथ लग सके। फिलहाल पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोरोना वायरस : हिसार में संक्रमण से तीन और लोगों की हुई मौत, 99 नए पॉजिटिव मिले

हिसार। हिसार में मंगलवार को कोरोना के 99 केस मिले। वहीं 123 स्वस्थ हुए। जबकि कोरोना से तीन मरीजों की मौत भी हुई। जिले में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 6045 पर पहुंच गई है। वहीं कुल 1199 एक्टिव मामले है। जिले में अब तक 4788 लोग स्वस्थ हो चुके है। जबकि 58 की मौत हो चुकी है। जिले में मरीजों के स्वस्थ होने का रिकवरी रेट 79.21 फीसद है।

आठ टीचर व 14 विद्यार्थी कोरोना पॉजिटिव मिले

डिप्टी सीएमओ डा. जया गोयल ने बताया कि मंगलवार को मिले केसों में बिजली विभाग में

जूनियर इंजीनियर, अग्रोहा में स्टाफ नर्स, केनरा बैंक में ब्रांच मैनेजर, हांसी में गर्ग अस्पताल में डाक्टर, अनाज मंडी में शॉपकीपर, जिंदल स्टील कंपनी में वर्कर, इंडस्ट्रियल एरिया में बिजनेसमैन, टाटा कंपनी कर्मचारी, सेक्टर 14 में बड़ौदा बैंक में क्लर्क, सेक्टर 14 में इनकम टेक्स ऑफिसर, जिंदल अस्पताल में स्टाफ नर्स, जिंदल फेक्टरी में वर्कर, एचएयू में कर्मचारी, एनसीसी ऑफिस क्लर्क समेत आठ टीचर व 14 विद्यार्थी कोरोना पॉजिटिव मिले।

तीन की कोरोना से मौत, शुगर, हृदय गति रूकने से मौत

सिरसा रोड पर हाउसिंग बोर्ड कालोनी निवासी कोरोना पॉजिटिव 65 वर्षीय वृद्ध की उपचार के दौरान मौत हो गई। मरीज को डायबिटिज सहित अन्य बीमारियां थी। आजाद नगर निवासी कोरोना पॉजिटिव 58 वर्षीय अधेड़ की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। 27 सितंबर को वह पॉजिटिव मिला था। जिसक बाद होली हेल्प अस्पताल में दाखिल किया गया था जहां उपचार के दौरान ह्दय गति रुकने से मरीज की मौत हुई। वहीं सेक्टर 15 निवासी कोरोना पॉजिटिव 65 वर्षीय वृद्ध की भी उपचार के दौरान मौत हो गई।

विधायक डा. कमल गुप्ता ने करवाया सैंपल

विधायक डा. कमल गुप्ता को मंगलवार को कफ की समस्या हुई। जिसके बाद वे सिविल अस्पताल में सैंपल करवाने पहंचे। इस दौरान वे खुद फ्लू क्लीनिक में आए। हालांकि उनका सैंपल रैपिड एंटीजन टेस्ट किया गया। जिसमें उनकी रिपोर्ट निगेटिव रही।

देर से ही सही, जागा प्रशासन, बनाया अलग गेट

रेवाड़ी। सेक्टर 18 स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय के छात्रावास में बनाए गए कोविड सेंटर में आवागमन के लिए जिला प्रशासन ने आखिरकार अलग से गेट का निर्माण करा ही दिया। महाविद्यालय प्रशासन की ओर से 4 सितंबर से परीक्षाएं आरंभ होने से पहले कई बार उपायुक्त से लेकर उपमंडल अधिकारी और लोक निर्माण विभाग तक के अधिकारियों से पत्राचार व मौखिक आग्रह किया गया था। इसके पश्चात अब करीब एक माह बाद कोविड सेंटर में आवागमन के लिए अलग से रास्ता बना दिया गया है। अब कोविड सेंटर में आवागमन करने वाले चिकित्सकों, सैंपल देने आने वाले लोगों को राहत मिली है।

सुपर-100 में चयनित विद्यार्थियों को किया सम्मानित

कुंड। जिले के गांव खोरी स्थित राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सुपर-100 में चयनित सात विद्यार्थियों के सम्मान में प्रतिभा प्रोत्साहन कार्यक्रम किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह खनगवाल मुख्य अतिथि रहे तथा विद्यालय के प्राचार्य टेकचंद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। खोल विद्यालय के प्राचार्य कमल सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। स्टाफ सचिव मुकेश कुमार सैनी ने सभी का स्वागत किया। शिक्षा विभाग द्वारा पिछले दिनों आयोजित सुपर-100 प्रतियोगिता में रेवाड़ी जिले से सर्वाधिक सात विद्यार्थी संगम, मोहित श्योराण, विजेता, रजिता, हेमंत, नितिन व रोहन खोरी का चयन हुए हैं।

कैसा निर्दयी बाप, शराब के नशे में 4 दिन की नवजात बच्ची को पैरों से दबाकर मार डाला

यमुनानगर। यमुनानगर में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। एक शराबी बाप ने नशे में अपनी चार दिन की नवजात बच्ची को पैर से दबाकर मार डाला। इसके बाद आरोपित फरार हो गया। सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र की रूपनगर कालोनी में पिता नीरज ने दूधमुंही बच्ची को मार डाला। सोते समय उसके ऊपर पैरों से वजन डाल दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपित फरार है। उसकी पत्नी किसी तरह से तड़के तीन बजे सदर यमुनानगर थाने में पहुंची। जहां इस मामले की शिकायत दी। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। सदर यमुनानगर थाना प्रभारी सुभाष चंद ने बताया कि आरोपित नीरज पर हत्या का केस दर्ज किया गया। अभी वह फरार है।

2015 में हुई शादी

नीरज की शादी वर्ष 2015 में उप्र के शामली जिले के कस्बा थानाभवन निवासी वर्षा के साथ हुई थी। वर्षा ने बताया कि नीरज उसके साथ बिल्कुल खुश नहीं था। रोजाना शराब पीकर घर आता और उसके साथ मारपीट करता था। इस दौरान वह गर्भवती हो गई। उसकी एक बहन पड़ोस में ब्याही है। वह उससे ही मदद मांगती थी।

24 सितंबर को पैदा हुई थी बेटी

उसे सिविल अस्पताल में बहन ही लेकर गई थी। जहां उसे 24 सितंबर को बेटी पैदा हुई। वहां से चार दिन पहले ही वह घर आई थी। बेटी पैदा होने के बाद नीरज उसे ताने देने लगा। रात को जब नीरज आया, तो वह उसके पास ही लौटने लगा। उसे मना किया कि यहां पर बेटी है, लेकिन वह नहीं माना और वहीं पर लौट गया। उसने बच्ची के ऊपर अपनी टांग रखी और दबा दिया। किसी तरह से उसकी टांगों के बीच से बच्ची को निकाला। जब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी।

बच्चा न होने पर ताने देते थे ससुराल वाले

शादी के कई सालों बाद वर्षा को कोई बच्चा नहीं हुआ। जिस वजह से उसे ससुराल वाले प्रताड़ित करने लगे। वर्षा का कहना है कि नीरज भी शराब के नशे में घर आता था और उसके साथ मारपीट करता था। जिस वजह से कई बार शिकायतें दी गई, लेकिन पुलिस हर बार उसके ससुराल वालों को बुलाकर समझौता करा देती थी। बाद में ससुराल वालों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। दो बार उसका गर्भपात भी हो चुका था। बाद में उसका समझौता हुआ और वह नीरज के साथ किराये के मकान में रहने लगी। यहां पर भी नीरज उसे प्रताड़ित करता था।

रात को ही वर्षा ने अपनी बहन रितू को बुलाया। रितू ने बताया कि बच्ची की छठी करनी थी। इसके लिए मां सामान लेकर आई हुई थी। उसे रात को अपने पास रोक लिया था, क्योंकि नीरज उनके साथ भी दुर्व्यवहार करता था। तड़के वर्षा का कॉल आया, तो उसे पता लगा। वह अक्सर वर्षा पर मायके से रुपये लाने का दबाव बनाता था। जिस समय वर्षा गर्भवती हुई, तो उसने कोई खर्च नहीं दिया। अब बेटी होने पर वह बार-बार यही कहता था कि वह दोनों का बोझ नहीं उठा सकता।

हरियाणा में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, केशनी आनंद रिटायर, विजयवर्धन बने नए मुख्य सचिव

चंडीगढ़। हरियाणा में बुधवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। राज्य की मुख्य सचिव केशनी आनंद अरोड़ा आज सेवानिवृत हो गईं। उनकी जगह विजय वर्धन को हरियाणा का नया मुख्य सचिव बनाया गया है। राजीव अरोड़ा हरियाण के नए गृह सचिव बनाए गए हैं। केशनी आनंद अरोड़ा ने करीब सवा साल तक मुख्य सचिव के पद पर अपनी सेवाएं दीं। अब उन्हें सेवा के अधिकार आयोग की मुख्य आयुक्त नियुक्त किया जा सकता है। प्रदेश के मौजूदा विजयवर्धन अब तक गृह सचिव थे।

केशनी आनंद अरोड़ा की रिटायरमेंट के साथ ही हरियाणा की शीर्ष अफसरशाही में बदलाव

विजयवर्द्धन अब तक गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव थे। केशनी आनंद अरोड़ा 1983 बैच की आइएएस थीं। विजयवर्धन 1985 बैच के आइएएस हैं। विजयवर्धन की सेवानिवृति 30 नवंबर 2021 में होगी। इस प्रकार वह 14 माह तक मुख्य सचिव के पद पर रह सकते हैं। पांच माह पूर्व 30 अप्रैल को विजयवर्धन को उस समय गृह सचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया था, जब वह पर्यटन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर तैनात थे।

केशनी का सेवा के अधिकार आयोग में मुख्य आयुक्त बनना तय, धर्मवीर दादरी के नए डीसी

उन्हें मुख्य तौर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं वित्तायुक्त, राजस्व और आपदा प्रबंधन एवं चकबंदी विभाग तैनात किया गया था। उनको अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह, जेल, क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन (गुप्तचर) एवं न्याय-प्रशासन विभाग का भी कार्यभार दिया गया था। हालांकि पर्यटन विभाग उनसे ले लिया गया था। तब से वर्धन के पास गृह सचिव का अतिरिक्त कार्यभार था। वरिष्ठता के लिहाज से हालांकि सुनील गुलाटी का नाम भी मुख्य सचिव पद की दौड़ में था, लेकिन उनके नाम को न तो प्रशासनिक गलियारों में कभी गंभीरता से नहीं लिया गया और न ही सरकार ने उनके नाम पर कभी विचार किया। 1985 बैच के आइएएस विजयवर्धन सुलझे हुए अधिकारी हैं और उनकी सरकार तथा प्रशासनिक अमले में खासी लोकप्रियता है। वर्धन मुख्य सचिव के पद पर करीब सवा साल तक रहने वाले हैं। अगले साल उनकी रिटायरमेंट है।

आलोक निगम को पीडब्ल्यूडी, अरोड़ा के पास बना रहेगा स्वास्थ्य विभाग, देवेंद्र सिंह को कृषि

हरियाणा सरकार ने 1986 बैच के सीनियर आइएएस अधिकारी संजीव कौशल को नया वित्तायुक्त एवं राजस्व व आपदा प्रबंधन विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया है। कौशल को सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पद की भी जिम्मेदारी दी गई है। मुख्य सचिव के बाद सरकार में यह पहला महत्वपूर्ण पद है। कौशल मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रधान सचिव भी रह चुके हैं। फिलहाल वह कृषि एवं सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत थे। प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में कौशल की खासी लोकप्रियता है। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं पीडब्ल्यूडी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव अरोड़ा प्रदेश के नए गृह सचिव होंगे। अभी तक विजयवर्धन के पास गृह सचिव का अतिरिक्त कार्यभार था, लेकिन राजीव अरोड़ा को स्वतंत्र रूप से गृह सचिव का दायित्व सौंपा गया है। 1987 बैच के आइएएस राजीव अरोड़ा हरियाणा भवन नई दिल्ली के मुख्य आवास आयुक्त, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा कोविड-19 के नोडल आफिसर भी बने रहेंगे। हरियाणा के वन एवं वन्य प्राणी विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव 1986 बैच के आइएएस आलोक निगम को पीडब्ल्यूडी का अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। उनके पास वन एवं वन्य प्राणी तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के एसीएस का कार्यभार भी रहेगा।

opensearch

संक्षिप्त समाचार

मारुति ने हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी का दाम 11,000 रुपये बढ़ाया

नई दिल्ली, (एजेंसी))। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने अपने हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की कीमतों में करीब 11,000 रुपये की वृद्धि की है। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा, ''सुपर कैरी बीएस-छह उत्सर्जन मानक वाले संस्करण की कीमतों में संशोधन किया गया है।'' कंपनी ने कहा कि बृहस्पतिवार से दिल्ली और एनसीआर में सुपर कैरी की शोरूम कीमत 4.25 लाख से 5.18 लाख रुपये रहेगी।

रुपया 63 पैसे की बढ़त के साथ 73.13 प्रति डॉलर पर

मुंबई, (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख तथा अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी से बृहस्पतिवार को रुपया 63 पैसे की बड़ी बढ़त के साथ 73.13 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 73.60 प्रति डॉलर पर खुलने के बाद और मजबूत हुआ। अंत में रुपया 63 पैसे की बढ़त के साथ 73.13 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बुधवार को रुपया 73.76 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान रुपया 73.07 प्रति डॉलर के उच्चस्तर तक गया। इसने 73.60 प्रति डॉलर का निचला स्तर भी छुआ। फॉरेक्स डीलरों ने कहा कि मजबूत वृहद आर्थिक आंकड़ों से रुपये की धारणा को बल मिला। रेलिगेयर ब्रोकिंग की उपाध्यक्ष धातु, ऊर्जा और मुद्रा शोध सुगंधा सचदेवा ने कहा, ''घरेलू बाजार में डॉलर के सतत प्रवाह तथा मजबूत चालू खाते के अधिशेष की वजह से हम निकट भविष्य में रुपये के कुछ ऊपर की ओर कारोबार की उम्मीद कर रहे हैं।'' इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत के नुकसान से 93.78 पर आ गया।

रेलवे ने माल ढुलाई ग्राहकों के लिए नया पोर्टल पेश किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रेलवे ने अपने माल ढुलाई ग्राहकों के लिए विशिष्ट रूप से एक पोर्टल तैयार किया है। इससे माल ढुलाई कराने वाले ग्राहक न केवल सीधे अधिकारियों से जुड़ सकेंगे, बल्कि वे इसपर अपनी शिकायतें भी दर्ज कर सकेंगे। रेलवे ने अपने ढुलाई दायरे में विस्तार तथा राजस्व बढ़ाने की दृष्टि से यह कदम उठाया है। रेल बोर्ड के निर्देश पर रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस) की टीम ने ढुलाई कारोबार विकास (एफबीडी) पोर्टल विकसित किया है। रेल मंत्रालय ने गुरुवार को बयान में कहा, 'एफबीडी को विशेष रूप से 'कस्टमर्स फर्स्ट ' के सिद्धान्त की सोच के साथ डिजाइन और विकसित किया गया है। इससे नए ढुलाई ग्राहकों को भी रेलवे के ढुलाई कारोबार के बारे में जानकारी मिल सकेगी। इस पोर्टल पर रेलवे के ढुलाई कारोबार के बारे में सूचना उपलब्ध कराई गई है। पोर्टल पर पहुंचना काफी आसान है।' मंत्रालय ने कहा कि इस साइट पर मौजूदा ग्राहकों के लिए भी फीचर्स बढ़ाए गए हैं। उन्हें जीआईएस आधारिक निगरानी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। साथ ही वे इसके जरिये अपनी चिंताओं को लेकर रेल अधिकारियों से भी संपर्क कर सकते हैं। मंत्रालय ने कहा कि नया एफबीडी पोर्टल संभावित ढुलाई ग्राहकों को रेल अधिकारियों से संपर्क उपलब्ध कराने का माध्यम होगा। ग्राहक इसके जरिये अधिकारियों से संपर्क कर सकेंगे और अपने सामान के परिवहन के लिए उनकी मदद ले सकेंगे। इसके अलावा 'रेलमदद' शिकायत निपटान पोर्टल को भी नए एफबीडी पोर्टल से जोड़ा गया है।

सितंबर में टोयोटा किर्लोस्कर की बिक्री 20 प्रतिशत घटकर 8,116 इकाई पर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) की घरेलू बाजार में बिक्री सितंबर में 20.45 प्रतिशत घटकर 8,116 इकाई रह गई। इससे पिछले साल के समान महीने में कंपनी ने 10,203 वाहन बेचे थे। टीकेएम ने बयान में कहा कि अगस्त की तुलना में हालांकि उसकी बिक्री सितंबर में 46 प्रतिशत बढ़ी है। अगस्त में कंपनी ने 5,555 वाहन बेचे थे। टीकेएम के उपाध्यक्ष (बिक्री एवं सेवा) नवीन सोनी ने कहा, ''अब हमारी मांग बढ़ रही है और साथ ही हमारे डीलरों का भरोसा बढ़ रहा है। पिछले कुछ माह की तुलना में हमारे ऑर्डरों में 14 से 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।'' सोनी ने कहा कि सितंबर में हमने अर्बन क्रूजर को पेश करने की घोषणा की थी। इस वाहन के लिए बुकिंग खुलने के बाद ग्राहकों की काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

कैम्स का शेयर 23 प्रतिशत प्रीमियम पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज (कैम्स) का शेयर बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों में 1,230 रुपये के निर्गम मूल्य पर 23 प्रतिशत के प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ। बीएसई में कंपनी का शेयर 23.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,518 रुपये पर सूचीबद्ध होने के बाद 26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,550 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 7,088.72 रुपये पर है। कैम्स के आईपीओ को 47 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के आईपीओ के लिए मूल्य दायर 1,229-1,230 रुपये प्रति शेयर था। कैम्स म्यूचुअल फंड कंपनियों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों को प्रौद्योगिकी आधारित वित्तीय ढांचा उपलब्ध कराती है। कंपनी का मुख्यालय चेन्नई में है।

एस्कॉर्ट्स ट्रैक्टर की बिक्री सितंबर में नौ प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कृषि उपकरण कंपनी एस्कॉर्ट्स की ट्रैक्टर बिक्री सितंबर में 9.2 प्रतिशत बढ़कर 11,851 इकाई पर पहुंच गई। सितंबर, 2019 में कंपनी की ट्रैक्टर बिक्री 10,855 इकाई रही थी। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि घरेलू बाजार में उसकी बिक्री 8.9 प्रतिशत बढ़कर 11,453 इकाई रही, जो एक साल पहले समान महीने में 10,521 इकाई रही थी। कंपनी ने कहा कि पिछले साल के कमजोर आधार प्रभाव, कोविड-19 लॉकडाउन की वजह से दबी मांग तथा सकारात्मक वृहद आर्थिक संकेतों से ग्रामीण मांग अच्छी बनी हुई है। कंपनी ने कहा कि मानसून अच्छा रहने, रबी फसल के रिकॉर्ड उत्पादन तथा खरीफकी जल्दी बुवाई के अलावा खुदरा वित्त उपलब्ध होने की वजह से किसानों की धारणा सकारात्मक है। सितंबर में कंपनी का निर्यात 19.2 प्रतिशत बढ़कर 398 इकाई पर पहुंच गया, जो पिछले साल समान महीने में 334 इकाई रहा था।

बजाज ऑटो की वाहन बिक्री सितंबर में 10 प्रतिशत बढ़कर 4,41,306 इकाई पर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बजाज ऑटो की कुल वाहन बिक्री सितंबर में 10 प्रतिशत बढ़कर 4,41,306 इकाई पर पहुंच गई। पुणे की कंपनी ने सितंबर, 2019 में 4,02,035 वाहन बेचे थे। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि सितंबर में उसकी दोपहिया बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 4,04,851 इकाई पर पहुंच गई, जो इससे पिछले साल समान महीने में 3,36,730 इकाई रही थी। हालांकि, समीक्षाधीन महीने में कंपनी की कुल वाणिज्यिक वाहन बिक्री 44 प्रतिशत घटकर 36,455 इकाई रह गई। सितंबर, 2019 में यह आंकड़ा 65,305 इकाई का रहा था। घरेलू बाजार में कंपनी की कुल बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 2,28,731 इकाई पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान महीने में 2,15,501 इकाई रही थी। सितंबर में कंपनी का निर्यात 14 प्रतिशत बढ़कर 2,12,575 इकाई पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान महीने में 1,86,534 इकाई रहा था।

गतिविधियों में सुधार, सितंबर में विनिर्माण पीएमआई साढ़े आठ साल के उच्चस्तर पर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में सितंबर में लगातार दूसरे महीने सुधार हुआ है। एक मासिक सर्वे के अनुसार नए ऑर्डरों और उत्पादन में बढ़ोतरी से सितंबर में विनिर्माण गतिविधियां करीब साढ़े आठ साल के उच्चस्तर पर पहुंच गई हैं। आईएचएस मार्किट इंडिया का विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सितंबर में बढ़कर 56.8 पर पहुंच गया। अगस्त में यह 52 पर था। जनवरी, 2012 के बाद यह पीएमआई का सबसे ऊंचा स्तर है। आईएचएस मार्किट की इकनॉमिक्स एसोसिएट निदेशक पोलीअन्ना डे लीमा ने कहा, ''भारत की विनिर्माण गतिविधियां सही दिशा में बढ़ रही हैं। सितंबर के पीएमआई आंकड़ों में कई सकारात्मक चीजें हैं। कोविड-19 अंकुशों में ढील के बाद कारखाने पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं और उन्हें नए ऑर्डर मिल रहे हैं।'' अप्रैल में विनिर्माण पीएमआई नकारात्मक दायरे में चला गया था। इससे पिछले लगातार 32 माह तक यह सकारात्मक रहा था। पीएमआई के 50 से ऊपर रहने का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से कम संकुचन को दर्शाता है। लीमा ने कहा, ''कुल बिक्री को नए निर्यात ऑर्डरों से भी समर्थन मिला है। कोविड-19 महामारी फैलने के बाद पहली बार यह स्थिति बनी है।'' लीमा ने कहा, ''लगातार छह महीने तक गिरावट के बाद निर्यात भी सुधरा है।'' सर्वे में कहा गया है कि ऑर्डरों में सुधार के बावजूद भारत में उत्पादकों ने अपने कर्मचारियों की संख्या में एक और कटौती का संकेत दिया है। कई मामलों में सामाजिक दूरी दिशानिर्देशों के अनुपालन के लिए ऐसा किया जा रहा है। यह लगातार छठा महीना है जबकि रोजगार घटा है। लीमा ने कहा, ''जो एक क्षेत्र अभी चिंता पैदा करता है, वह है रोजगार। कुछ कंपनियों को कर्मचारियों की नियुक्ति में दिक्कतें आ रही हैं, जबकि कुछ अन्य का कहना है कि सामाजिक दूरी के अनुपालन के लिए उन्होंने अपने कर्मचारियों की संख्या को न्यूनतम किया है।'' सर्वे में कहा गया है कि अगले 12 माह के दौरान लगभग 33 प्रतिशत विनिर्माताओं को उत्पादन में बढ़ोतरी की उम्मीद है। वहीं आठ प्रतिशत का मानना है कि उत्पादन में कमी आएगी।

सितंबर में मारुति की बिक्री 31 प्रतिशत बढ़ी, 1,60,442 वाहन बेचे

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की बिक्री सितंबर में 30.8 प्रतिशत बढ़कर 1,60,442 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने सितंबर, 2019 में 1,22,640 वाहन बेचे थे। कंपनी ने बयान में कहा कि सितंबर में बिक्री प्रदर्शन को पिछले साल के निचले आधार प्रभाव के लिहाज से देखा जाए। घरेलू बाजार में कंपनी की बिक्री 32.2 प्रतिशत बढ़कर 1,52,608 इकाई पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान महीने में 1,15,452 इकाई रही थी। सितंबर कंपनी की मिनी कारों....आल्टो तथा एस-प्रेसो की बिक्री 35.7 प्रतिशत बढ़कर 27,246 इकाई पर पहुंच गई, जो पिछले साल समान महीने में 20,085 इकाई रही थी। वहीं कॉम्पैक्ट खंड में कंपनी के स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर मॉडलों की बिक्री 47.3 प्रतिशत बढ़कर 84,213 इकाई पर पहुंच गई, जो सितंबर, 2019 में 57,179 इकाई रही थी। हालांकि, मध्यम आकार की सेडान सियाज की बिक्री इस दौरान 10.6 प्रतिशत घटकर 1,534 इकाई रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 1,715 इकाई रही थी। कंपनी के यूटिलिटी वाहनों विटारा ब्रेजा, एस-क्रॉस और एर्टिगा की बिक्री 10.1 प्रतिशत बढ़कर 23,699 इकाई पर पहुंच गई। एक साल पहले समान महीने में यह आंकड़ा 21,526 इकाई का रहा था। सितंबर में कंपनी का निर्यात भी नौ प्रतिशत बढ़कर 7,834 इकाई रहा, जो पिछले साल समान महीने में 7,188 इकाई रहा था। कंपनी ने कहा है कि दूसरी तिमाही में उसकी कुल बिक्री 3,93,130 इकाई रही है, जो पिछले साल के कमजोर आधार प्रभाव पर 16.2 प्रतिशत अधिक है।

अमेरिकी रोक के बाद मलेशिया की पाम तेल कंपनी ने कहा, 'पाक-साफ' होकर उभरेंगे

वाशिंगटन, (एजेंसी)। मलेशिया की प्रमुख पाम तेल उत्पादक कंपनी एफजीवी होल्डिंग्स, बेरहाद ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अमेरिकी आरोपों से 'पाक-साफ' होकर उभरेगी। इससे पहले अमेरिका ने मलेशिया की प्रमुख पाम तेल उत्पादक कंपनी से आयात रोकने की घोषणा की थी। एफजीवी होल्डिंग्स मलेशिया की सबसे बड़ी पाम तेल कंपनियों में से है। यह अमेरिका की उपभोक्ता सामान क्षेत्र की दिग्गज कंपनी प्रॉक्टर एंड गैंबल की संयुक्त उद्यम भागीदार भी है। अमेरिका ने कहा है कि एफजीवी होल्डिंग्स में जबरिया श्रम, बाल श्रम तथा शारीरिक और यौन हिंसा के संकेत मिले हैं, जिसके बाद यह कदम उठाया जा रहा है। अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा संरक्षण व्यापार कार्यालय की कार्यकारी सहायक आयुक्त ब्रेंडा स्मिथ ने बताया कि एफजीवी के खिलाफ यह आदेश बुधवार से लागू हुआ है। एक सप्ताह पहले मीडिया में इस तरह की खबरें आई थीं कि मलेशिया के पाम तेल उद्योग में श्रम नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। एफजीवी ने कहा कि जो भी मुद्दे उठाए गए हैं वे 2015 से सार्वजनिक हैं और कंपनी ने स्थिति को ठीक करने के लिए कई कदम उठाए हैं। कंपनी ने एक बयान कहा, ''एफजीवी को इस बात की निराशा है कि यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जबकि वह पिछले कई वर्षों से मानवाधिकार के सम्मान के लिए पुख्ता कदम उठा रही है और श्रम मानकों का पालन कर रही है।'' मलेशिया दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा पाम तेल उत्पादक है। इंडोनेशिया और मलेशिया का वैश्विक पाम तेल बाजार पर दबदबा है। 65 अरब डॉलर की वैश्विक पाम तेल आपूर्ति में दोनों देशों का हिस्सा 85 प्रतिशत का है।

opensearch

इस वित्त वर्ष में किसी एक महीने में सबसे अधिक

सितंबर में जीएसटी संग्रह 95,480 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, (एजेंसी)। माल और सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह सितंबर में 95,480 करोड़ रुपये रहा, जो चालू वित्त वर्ष में अब तक किसी एक महीने में किया गया सबसे अधिक जीएसटी संग्रह है। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सितंबर 2020 का जीएसटी संग्रह पिछले साल के इसी महीने के कुल जीएसटी संग्रह से चार प्रतिशत अधिक है। इस साल सितंबर में साल भर पहले की तुलना में माल के आयात से एकत्र कर 102 प्रतिशत और घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से राजस्व संग्रह 105 प्रतिशत रहा। बयान में कहा गया, ''सितंबर 2020 के महीने में एकत्र सकल राजस्व 95,480 करोड़ रुपये रहा। इसमें केंद्रीय जीएसटी 17,741 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 23,131 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी 47,484 करोड़ रुपये (माल के आयात से प्राप्त 22,222 करोड़ रुपये समेत) और उपकर 7,124 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्र 788 करोड़ रुपये सहित) रहा।'' इससे पहले चालू वित्त वर्ष के दौरान जीएसटी से प्राप्त राजस्व अप्रैल में 32,172 करोड़ रुपये, मई में 62,151 करोड़ रुपये, जून में 90,917 करोड़ रुपये, जुलाई में 87,422 करोड़ रुपये और अगस्त में 86,449 करोड़ रुपये रहा था। सरकार ने नियमित निपटान के रूप में एकीकृत जीएसटी से केंद्रीय जीएसटी को 21,260 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी को 16,997 करोड़ रुपये दिये। नियमित निपटान के बाद सितंबर 2020 महीने में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा अर्जित कुल राजस्व केंद्रीय जीएसटी के लिये 39,001 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी के लिये 40,128 करोड़ रुपये रहा।

गूगल ने नया पिक्सल फोन पेश किया, नई टीवी सेवा भी शुरू की

सान रेमन। गूगल ने स्मार्टफोन बाजार में नया पिक्सल फोन पेश किया है। कंपनी अभी इस बाजार में पिछड़ रही है और वह सस्ते हाई-एंड मॉडल के जरिये अपनी उपस्थिति मजबूत करना चाहती है। साथ ही कंपनी ने नई टीवी सेवा के जरिये बड़े स्क्रीन के बाजार में भी विस्तार की मंशा जताई है। गूगल ने बुधवार को इन उत्पादों का अनावरण किया। इसके अलावा कंपनी ने 99 डॉलर के स्पीकरण के अनावरण को आधे घंटे की लाइव स्ट्रीमिंग का भी आयोजन किया। गूगल का नया स्मार्टफोन पांचवीं पीढ़ी का उपकरण है। कैलिफोर्निया की कंपनी इन उत्पादों के जरिये यह दर्शाना चाहती है कि वह सॉफ्टवेयर के साथ हार्डवेयर भी बना सकती है। कंपनी ने यह ब्रांड 2016 में पेश किया था। हालांकि, अरबों लोग अपने स्मार्टफोन पर गूगल के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कंपनी का पिक्सल फोन अभी बाजार में पकड़ नहीं बनाया पाया है। गूगल ने अब तक 1.9 करोड़ पिक्सल फोन बेचे हैं। कंपनी पिछले साल पेश मॉडल की सिर्फ 30 लाख इकाइयां बेच पाई हैं। वहीं एप्पल की बात की जाए, तो उसने सिर्फ तीन महीने अप्रैल से जून के दौरान गूगल की तुलना में दोगुने आईफोन बेचे हैं। आईडीसी के अनुमान के अनुसार एप्पल ने बिक्री का यह आंकड़ा कोरोना वायरस महामारी के दौरान हासिल किया है। उस समय लाखों लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे थे।

गिग वर्करों पर रहा कोरोना लॉकडाउन का प्रभाव! आय में 81% की आई तेज गिरावट

नई दिल्ली, (एजेंसी) क्लीनिंग सेगमेंट में गिग इकोनॉमी वर्कर्स को कोरोना वायरस लॉकडाउन के कारण काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा है। बता दें कि महामारी के कारण 81त्न उनके आय में तेज गिरावट देखने को मिली है। इसी को देखते हुए 10 में से नौ गिग वर्कर्स वर्तमान समय में 10 में से एक की तुलना में प्रति माह 15,000 रुपये से कम कमा रहे हैं। जब सेक्टरों की भारी गिरावट की बात आती है तो- टैक्सी एग्रीगेटर्स के ड्राइवरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली है, इनकी आय में 90त्न तक की कमी आई है। इसके बाद खाद्य वितरण कंपनियों के कामगारों ने 75त्न की गिरावट दर्ज की और सफाई कर्मचारियों की आय में 72त्न की गिरावट देखने को मिली है।

एक और परेशान करने वाली बात यह है कि महिला गिग इकॉनमी वर्कर्स को पुरुष वर्कस की तुलना में आय में बड़ी गिरावट का सामना करना पड़ा है। 800 गिग कामगारों का सर्वेक्षण करने वाले अध्ययन के अनुसार, लगभग 74त्न महिला श्रमिकों ने 65त्न पुरुषों की तुलना में अगस्त में 10,000 रुपये से कम कमाया। लगभग 42त्न उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें कुछ सरकारी सहायता मिली है। हालांकि 84त्न श्रमिकों को कोविड 19 का भी खतरा रहा है लेकिन लॉकडाउन से प्रभावित इन श्रमिकों को अपना पेट भरने के लिए बाहर निकले।लगभग 61त्न श्रमिक काम करने की अपनी निरंतर क्षमता से चिंतित थे, जबकि लगभग 17त्न ने कहा कि उनकी प्राथमिक चिंता उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करना है।

पेट्रोल की मांग कोविड-19 के पूर्व के स्तर पर, डीजल की बिक्री में भी सुधार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में पेट्रोल की मांग में सितंबर में दो प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कोरोना वायरस महामारी के प्रसार को रोकने के लिए मार्च के आखिर में देश में लॉकडाउन लगाया गया था। इसके बाद से पेट्रोल की बिक्री में पहली बार बढ़ोतरी हुई है, जिससे पता चलता है कि इस वाहन ईंधन की मांग कोविड-19 के पूर्व के स्तर पर पहुंच रही है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों के शुरुआती आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इन कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी 90 प्रतिशत है। हालांकि, डीजल की बिक्री सामान्य स्तर से कम है, लेकिन माह-दर-माह आधार पर इसमें बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों के अनुसार सितंबर में पेट्रोल की बिक्री दो प्रतिशत बढ़ी है। पिछले महीने की तुलना में पेट्रोल की बिक्री में 10.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। हालांकि, डीजल की मांग अभी नकारात्मक बनी हुई है। सालाना आधार पर डीजल की बिक्री में सात प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, अगस्त की तुलना में डीजल की बिक्री 22 प्रतिशत अधिक रही है। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े आयातक देश में 25 मार्च के लॉकडाउन के बाद पहली बार पेट्रोल की बिक्री बढ़ी है। सितंबर में पेट्रोल की बिक्री बढ़कर 22 लाख टन पर पहुंच गई। पिछले साल समान महीने में यह 21.6 लाख टन थी। अगस्त, 2020 में पेट्रोल की बिक्री 19 लाख टन रही थी। देश में सबसे ज्यादा उपभोग वाले ईंधन डीजल की बिक्री सितंबर में घटकर 48.4 लाख टन रह गई। सितंबर, 2019 में यह 52 लाख टन रही थी। वहीं अगस्त, 2020 में डीजल बिक्री 39.7 लाख टन थी। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) के निदेशक (विपणन) अरुण कुमार सिंह ने पिछले सप्ताह कहा था कि पेट्रोल की बिक्री अब कोविड-19 के पूर्व के स्तर पर पहुंच गई है, लेकिन डीजल बिक्री का आंकड़ा अभी कमजोर है। उन्होंने कहा, ''लोग आवाजाही के लिए निजी वाहनों के इस्तेमाल को प्राथमिकता दे रहे हैं। लेकिन डीजल खपत वाले क्षेत्रों मसलन स्कूल बसों या सार्वजनिक बसों का काफी कम इस्तेमाल हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि अक्टूबर-नवंबर में पेट्रोल की बिक्री सकारात्मक दायरे में आ जाएगी। वही डीजल की बिक्री में शून्य से तीन प्रतिशत की गिरावट रहेगी। इससे पहले अगस्त में डीजल की बिक्री में पिछले साल के समान महीने की तुलना में 21 प्रतिशत की गिरावट आई थी। वहीं अगस्त में पेट्रोल की बिक्री 7.4 प्रतिशत घटी थी। आंकड़ों के अनुसार सितंबर में विमान ईंधन एटीएफ की बिक्री 54 प्रतिशत घटकर 6,18,000 टन रही।

हीरो मोटोकॉर्प ने पूर्व वायुसेना अध्यक्ष धनोआ को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली(एजेंसी) देश की सबसे बड़ी दोपहिया कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने पूर्व वायुसेनाध्यक्ष बी एस धनोआ को कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी और स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से की गई है। धनोआ एक जनवरी, 2017 से 30 सितंबर, 2019 तक वायुसेना प्रमुख थे। हीरो मोटोकॉर्प ने बयान में कहा कि इसके अलावा संजय भान को वैश्विक कारोबार का प्रमुख नियुक्त किया गया है। कंपनी ने कहा कि भान की नियुक्ति अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से विस्तार और एकीकरण के लिए की गई है। भान इससे पहले तीन दशक से अधिक से कंपनी में बिक्री, बिक्री बाद सेवा, विपणन और कलपुर्जा कारोबार क्षेत्रों में काम कर चुके हैं। कंपनी ने इसके अलावा कुछ अन्य बदलाव भी किए हैं। कंपनी के रणनीति, वैश्विक कारोबार और इमर्जिंग मोबिलिटी कारोबार इकाई (ईएमबीयू) के पूर्व प्रमुख रजत भार्गव को चेयरमैन तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कार्यालय में नवसृजित पद चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया है। इसके अलावा मालो ली मैसन को रणनीति प्रमुख नियुक्त किया गया है। अभी वह वैश्विक उत्पाद योजना प्रमुख थे। इसके अलावा तीन संयंत्रों और वैश्विक कलपुर्जा केंद्र के प्रमुख रवि पिसिपति को संयंत्र परिचालन प्रमुख नियुक्त किया गया है। गुरुग्राम संयंत्र के प्रमुख महेश काइकिनी को मुख्य गुणवत्ता अधिकारी नियुक्त किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबइल : 9210092542 फोन :- 011-27380260 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com